RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 131 ● भिलाई, बुधवार 26 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल चलाने के बाद ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ने लगा युवक

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ बड़ौत शहर कोतवाली क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवक ने बिजली के ट्रांसफॉर्मर से चिपककर आत्महत्या कर ली। इस दिल दहला देने वाली घटना का लाइव वीडियो पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना का 1 मिनट 16 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसने देखने वालों के होश उड़ा दिए हैं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि गांधी रोड निवासी तरुण सैनी (18) पुत्र रामगोपाल सैनी ट्रांसफॉर्मर के पास पहुंचता है। शुरुआत में वह कुछ देर तक ट्रांसफॉर्मर के पास खड़ा होकर बेहद इत्मीनान से अपना मोबाइल फोन चलाता है।

रेलवे स्टेशनों पर अब मिलेगा मैकडॉनल्ड्स

नई दिल्ली। देशभर के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को अब मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज़्ज़ा हट जैसे बड़े फूड ब्रांड्स का खाना आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। यात्री सुविधा बढ़ाने की दिशा में रेलवे बोर्ड ने अपनी केटरिंग पॉलिसी में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पहली बार प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स को स्टेशनों पर संचालन की अनुमति देने का निर्णय लिया है। जल्द ही इन आउटलेट्स को खोलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे यात्रियों को सफर के दौरान बेहतर और अधिक विविध फूड विकल्प मिल सकेंगे। पहले, 2017 की रेलवे केटरिंग पॉलिसी के तहत स्टेशनों पर टी स्टॉल, मिल्क बार और जूस बार की तीन कैटेगरी में स्टॉल आवंटित किए जाते थे, जहां केवल ड्रिंक्स, हल्का नाश्ता और सीमित स्नैक्स मिलते थे। अब इस पॉलिसी में संशोधन करके प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स की नई कैटेगरी जोड़ी जा रही है। इन आउटलेट्स को 5 साल की अवधि के लिए ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटित किया जाएगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यही सुविधा अब रेलवे स्टेशनों पर भी उपलब्ध होगी।

माता वैष्णों देवी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश सूची में 42 मुस्लिम छात्रों को हटाकर हिन्दू छात्रों को प्रवेश दिया जाए

नई दिल्ली । यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट द्वारा आज मुख्य शाहदरा चौक पर धरना प्रदर्शन किया गया और इस मांग को लेकर एक ज्ञापन उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर को प्रेषित कर इसकी प्रतियां मा. राष्ट्रपति भारत, प्रधानमंत्री, भारत सरकार, गृहमंत्री भारत सरकार, शिक्षामंत्री भारत सरकार, मुख्यमंत्री जम्मू-कश्मीर और सीईओ श्राईन बोर्ड को भेजा गया। धरना प्रदर्शन की अगुवाई यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रवादी शिवसेना श्री जय भगवान गोयल जी कर रहे थे।

सदियों के सपने का साकार-राम मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण

ये ध्वज सदियों के सपने साकार होने का प्रतीक-पीएम मोदी

अयोध्या/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊँचे शिखर पर औपचारिक रूप से भगवा ध्वज फहराया, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। इस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष बिंदु की साक्षी बन रही है। आज संपूर्ण भारत, संपूर्ण विश्व राममय है। हर रामभक्त के हृदय में अद्वितीय संतोष है, असीम कृतज्ञता है, अपार, अलौकिक आनंद है। मोदी ने कहा कि सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहुति है, जिसकी अग्नि 500 वर्ष तक प्रज्वलित रही। जो यज्ञ एक पल भी आस्था से डिगा नहीं, एक पल भी विश्वास से टूटा नहीं। उन्होंने कहा कि आज भगवान श्रीराम के गृभगृह की अनंत ऊर्जा, श्रीराम परिवार का दिव्य प्रताप, इस धर्मध्वजा के रूप में इस दिव्यतम, भव्यतम मंदिर में प्रतिष्ठापित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह धर्म ध्वज संकल्प का प्रतीक है। यह धर्म ध्वज संघर्ष से उत्पन्न विजय की गाथा है। यह धर्म ध्वज सदियों से संजोए गए स्वप्न का साकार रूप है। यह संतों की भक्ति और समाज की सामूहिक भागीदारी का पावन परिणाम है। आने वाली सदियों और सहस्राब्दियों तक, यह धर्म ध्वज भगवान राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करता रहेगा। ये धर्मध्वजा केवल एक ध्वजा नहीं, ये भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग, इसपर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ? शब्द और अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये ध्वज...संकल्प है, सफलता है! ये ध्वज...संघर्ष से सृजन की गाथा है, सदियों से चले आ रहे स्वप्नों का साकार स्वरूप है। ये ध्वज...संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणीति है। उन्होंने कहा कि ये धर्मध्वज प्रेरणा बनेगा कि प्राण जाए, पर वचन न जाए अर्थात जो कहा जाए, वही किया जाए। ये धर्मध्वज संदेश देगा - कर्मप्रधान विश्व रचि राखा अर्थात विश्व में कर्म और कर्तव्य की प्रधानता हो। ये धर्मध्वज कामना करेगा - बैर न बिग्रह आस न त्रासा, सुखमय ताहि सदा सब आसा यानी भेदभाव, पीड़ा, परेशानी से मुक्ति और समाज में शांति एवं सुख हो। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म ध्वजा पर कोविदार वृक्ष बना है। जब भरत अपनी सेना के साथ चित्रकूट पहुंचे, तब लक्ष्मण ने दूर से ही अयोध्या की सेना को पहचान लिया। इसका वर्णन वाल्मीकि जी ने किया है। लक्ष्मण कहते हैं कि सामने जो ध्वज दिख रहा है, वह अयोध्या का धर्म ध्वज है, जिस पर कोविदार वृक्ष बना है। यह वृक्ष अपने को याद दिलाता है कि जब हम इसे भूलते हैं, तब अपनी पहचान खो देते हैं। आज से 190 साल पहले 1835 में मैकाले नाम के एक अंग्रेज ने भारत में मानसिक गुलामी की नींव रखी।

राम मंदिर पर लहराया धर्म ध्वज; भागवत बोले- करोड़ों लोगों की आस्था साकार हुई

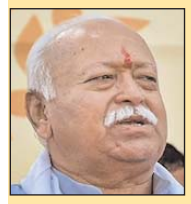

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन- मोहन भागवत इस मौके पर सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिन है। इसके लिए जितने लोगों ने प्राण न्योछावर किए, उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक जी को वहां पर शांति मिली होगी। आज मंदिर का ध्वजारोहण हो गया। राम राज्य का ध्वज जो कभी अयोध्या में फहराता था, आज वह फहरा गया है। इस भगवा ध्वज पर रघुकुल का प्रतीक कोविदार वृक्ष है। यह वृक्ष रघुकुल की सत्ता का प्रतीक है। यह वह वृक्ष है जिसके लिए कहा जाता है, कि वृक्ष सबके लिए छाया देते हैं, स्वंय धूप में खड़े रहकर, फल भी दूसरों के लिए देते हैं। इस मौके पर सीएम योगी अदित्यनाथ के संबोधन में एक नई उर्जा दिखाई दी। उन्होंने कहा कि मंदिर के शिखर फहरा रहा यह केसरिया ध्वज नए भारत का प्रतीक है। 500 वर्षों में समय बदला, नेतृत्व बदला, लेकिन आस्था न झुकी, न रुकी। जब आरएसएस के हाथ में कमान आई तो सिर्फएक ही आवाज गूंजती रही। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। अभिजीत मुहूर्त के शुभ समय में श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज की स्थापना की गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने शिखर पर भगवा ध्वज फहराया। राम मंदिर के शिखर पर फहराया जाने वाला ध्वज 10 फीट ऊंचा और 20 फीट लंबा, समकोण त्रिभुजाकार है। इस पर एक उवल सूर्य की छवि है, जो भगवान श्री राम की प्रतिभा और वीरता का प्रतीक है।

सीजेआई सूर्यकांत का पहला बड़ा निर्णय

ईसाई आर्मी ऑफिसर ने मंदिर में घुसने से किया था इनकार..

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को बरकरार रखा, जिसने एक मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि सेना एक धर्मनिरपेक्ष संस्था है और इसके अनुशासन से समझौता नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने अपने सैनिकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है। कोर्ट ने अधिकारी सैमुअल कमलेसन पर घोर अनुशासन हीनता का आरोप लगाते हुए उन्हें सेना के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त बताया। सिख स्क्वाड्रन में तैनात सैमुअल कमलेसन ने

अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि मंदिर में प्रवेश के लिए मजबूर करना उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उनका आचरण वैध आदेश की अवज्ञा के बराबर है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें अधिकारी सैमुअल कमलेसन की सेवा समाप्ति को बरकरार रखा गया था। सीजेआई सूर्यकांत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा वह कैसा संदेश दे रहे हैं...उन्हें सिर्फ़ इसी बात के लिए बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए था...एक सैन्य अधिकारी द्वारा घोर अनुशासनहीनता। अधिकारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि अधिकांश रेजिमेंटल मुख्यालयों में एक सर्व धर्म स्थल होता है। हालाँकि, पंजाब के मम में केवल एक मंदिर और गुरुद्वारा है।

हैदराबाद जा रही गल्फ एयर फ्लाइट में बम की धमकी, मुंबई में उतारा गया विमान

हैदराबाद। बहरीन से हैदराबाद आ रही गल्फ एयर की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद विमान की मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। फ्लाइट जीएफ274 में कुल 154 यात्री सवार थे। हैदराबाद एयरपोर्ट को तड़के करीब 3 बजे ईमेल के जरिए सूचना मिली कि विमान में बम लगाया गया है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। बहरीन से यह विमान रात 10:20 बजे उड़ान भरा था और इसे रविवार सुबह 4:55 बजे हैदराबाद पहुंचना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे मुंबई की ओर मोड़ दिया गया।

राम मंदिर ध्वजारोहण

सीएम अदित्यनाथ योगी ने कहा सनातन की जीत

अयोध्या। राम मंदिर में ध्वजारोहण की प्रक्रिया पूरी हुई। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा बहुत पुराना सपना अब पूरा हुआ। सदियों पुराने घाव थे अब वह धीरे-धीरे भरने शुरू हुए। पीएम ने कहा कि हम ऐसा समाज बनाएं, जहां कोई गरीब न हो। कोई पीड़ित ना हो। यह ध्वज युगों युगों तक श्री राम के आदेशों और प्रेरणाओं को मानव मात्र तक पहुंचाएगा। उन्होंने हर दानवीर, श्रमवीर, कारीगर, योजनाकार, वास्तुकार का अभिनंदन किया। यही वह नगरी है, जहां से श्रीराम ने

अपना जीवन पथ शुरू किया था। विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। यहां सप्त मंदिर बने हैं। यहां निषाद राज का मंदिर बना है, जो साधन नहीं साध्य और उसकी भवानाओं को पूजती है।

कर्नाटक में सीएम पद को लेकर घमासान

सीएम सिद्धारमैया ने आलाकमान से भ्रम दूर करने की अपील की...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान को उचित निर्णय लेकर भ्रम की स्थिति को दूर करना चाहिए। डीके शिवकुमार खेमे के विधायकों द्वारा नेतृत्व परिवर्तन के लिए पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ाने के लिए दिल्ली पहुँचने पर, सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा लिए गए निर्णय का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायक अपनी राय साझा करने के लिए नेतृत्व से मिलने के

लिए स्वतंत्र हैं। सिद्धारमैया ने विधायकों को लेकर कहा कि उन्हें जाने दीजिए, विधायकों को आज़ादी है। देखते हैं वे क्या राय देते हैं। आखिरकार, आलाकमान को ही फैसला लेना है। हम आलाकमान की बात मानेंगे। शिवकुमार खेमे के 15 से ज़्यादा विधायक दिल्ली में हैं और कथित तौर पर पार्टी में पहले से तय बारी-बारी से होने वाली व्यवस्था के तहत शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने पर ज़ोर दे रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस में मचे घमासान के बीच सिद्धारमैया ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री जहाँ कैबिनेट फेरबदल को प्राथमिकता दे रहे हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि आलाकमान पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला ले। इससे पहले सोमवार को कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि सिद्धारमैया के शब्द उनके लिए वेद वाक्य या पवित्र कथन जैसे हैं।

कांग्रेस की विचारधारा को शिक्षा के माध्यम से बच्चों तक पहुँचाएंग

जालंधर। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डा. राजेश शर्मा ने कहा कि वह कांग्रेस की विचारधारा को शिक्षा के माध्यम से बच्चों तक पहुँचाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि पंडित जवाहर लाल नेहरू अपने आप में एक महान संस्थान हैं और आज के समय में बच्चों को उनकी सोच और फिलॉसफी से परिचित कराना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड ने द विज़नरी नामक किताब तैयार की है, जिसका विमोचन बाल दिवस पर किया गया। इस किताब के माध्यम से नेहरू जी का विज़न बच्चों तक पहुँचाने की कोशिश की जा रही है। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि नेहरू जी जैसी शख्सियत के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में अपनी बात खुलकर रख पा रहे हैं।

चांदपारा से मतुआ-हार्टलैंड ठाकुरनगर तक विरोध-प्रदर्शन

एसआईआर के खिलाफ सीएम ममता बनर्जी ने निकाला मार्च..

ठाकुरनगर/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य में मतदाता सूची को लेकर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव के चांदपारा से मतुआ के गढ़ ठाकुरनगर तक तीन किमी का मार्च निकाला। वहीं तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि यह जुलूस, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास बनगांव शहर में एसआईआर के खिलाफ एक रैली को संबोधित करने के बाद निकाला, ठाकुरनगर के ढाकुरिया

स्कूल में खत्म होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस जुलूस-प्रदर्शन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें शामिल लोग नीले और सफेद गुब्बारे लिए हुए थे, तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहरा रहे थे और एसआईआर के खिलाफ नारे लगा रहे थे। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची की शुद्धता के लिए एसआईआर शुरू की है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन एसआईआर को लेकर राज्य की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियां हैं और इसका उद्देश्य कुछ खास लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हमला

बमबारी में नौ बच्चों समेत दस लोगों की मौत,कई घायल

काबुल/ एजेंसी

अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच छिड़ा संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक ओर शांति समझौते को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान आए दिन अफ़ग़ानिस्तान के नागरिकों को निशाना बनाकर बमबारी करने में लगा हुआ है। पाकिस्तान की सेना ने अफ़ग़ानिस्तान में घुसपैठ कर सोमवार की देर रात को हमले को अंजाम दिया। अफ़ग़ान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने मंगलवार को बताया कि इन हमलों में नौ बच्चों और एक शख़्स की मौत हो गई। अफ़ग़ान सरकार के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'बीती रात करीब 12 बजे खोस्त प्रांत के गोरबुज जिले के मुगलगई इलाके में पाकिस्तानी हमलावर सैन्यबलों ने एक घर पर बमबारी की। इस हमले में एक स्थानीय नागरिक वलीयत खान की मौत हो गई। साथ ही पांच लड़के और चार लड़कियों की मौत हो गई।'जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि कुनार और पक्तिका इलाकों में भी पाकिस्तान की ओर से एयरस्ट्राइक की गई है। इन हमलों में चार नागरिक घायल हुए हैं। अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत जालमे खलीलजाद ने पाकिस्तान की ओर से किए गए हमले में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया। खलीलजाद ने कहा कि नागरिकों की हत्या और व्यापक युद्ध का जोखिम उठाना पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान की दिक्कतों का हल नहीं है। उन्होंने कहा कि धैर्यपूर्ण और यथार्थवादी कूटनीति एक बेहतर विकल्प है। पूर्व राजदूत जालमे खलीलजाद ने

बताया कि ऐसी खबरें हैं कि तुर्किए का एक प्रतिनिधि मंडल इस्लामा बाद और काबुल का दौरा करेगा, ताकि दोनों देशों के बीच समझौता कराया जा सके। खलीलजाद ने इस पहल की तारीफ करते हुए कहा कि इस समझौते के बाद अंकारा में एक निगरानी कार्यालय बन सकता है, जिसमें तुर्किए, कतर, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के अधिकारी तैनात होंगे। उन्होंने कहा कि ये निगरानी केंद्र न केवल नजर बनाए रखेगा, बल्कि किसी भी उल्लंघन की रिपोर्ट मिलने पर उस समस्या का समाधान भी निकाल सकता है। पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच तनाव महीनों से जारी है, जिसकी वजह सीमा पार हमले और बढ़ता अविश्वास है। अक्टूबर में पाकिस्तान ने अफ़ग़ान सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई हमले किए, जिसमें तीन अफ़ग़ान क्रिकेटर मारे गए। अफ़ग़ान अधिकारियों ने आरोप लगाया कि पीड़ितों में बच्चों सहित नागरिक भी शामिल थे। बाद में पाकिस्तान ने काबुल में भी हमले किए, जिसके बाद अफ़ग़ानिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की। हालाँकि दोनों पक्षों ने संभावित युद्धविराम पर चर्चा की है, फिर भी पाकिस्तान के अभियान बेरोकटोक जारी हैं। इस बीच, पाकिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों में वृद्धि का सामना करना पड़ा है। इस्लामाबाद ने बार-बार अफ़ग़ान तालिबान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने और उन्हें अफ़ग़ान धरती से अपनी गतिविधियाँ संचालित करने की अनुमति देने का आरोप लगाया है।

स्वतंत्र पश्तूनिस्तान की माँग को लेकर तनाव

दोनों पड़ोसियों के बीच दुश्मनी कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के निर्माण के तुरंत बाद, काबुल की स्वतंत्र पश्तूनिस्तान की माँग को लेकर तनाव शुरू हो गया। 1949 में पाकिस्तान ने अफ़ग़ानिस्तान के अंदर कबायली बस्तियों पर बमबारी की, जिससे 1949 और 1950 के बीच कई सीमा संघर्ष हुए और राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हुआ। बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका ने हस्तक्षेप किया, जिससे अफ़ग़ानिस्तान को पाकिस्तान और ईरान दोनों के साथ संबंधों को फिर से बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अफ़ग़ानिस्तान अंततः सोवियत कब्जे में आ गया, जिसके दौरान पाकिस्तान के साथ छिटपुट सीमा घटनाएँ होती रहीं।

स्वनिधि संकल्प अभियान शिविर दल्ली पालिका द्वारा आयोजित

दल्लीराजहरा। स्ट्रीट वेंडर शहरी अर्थव्यवस्था के एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक का प्रतिनिधित्व करते हैं और सस्ती दरों पर वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत नगर पालिका द्वारा शहरी पथ विक्रेताओं को प्रथम 15,000 द्वितीय 25,000 तृतीय 50,000 रुपए तक का लोन दिए जाने का प्रावधान है। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वारडेकर ने शिविर मे जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि कोविड-19 और उसके परिणाम स्वरुप लॉकडाउन में शहरी पथ विकर्ताओं की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। केंद्र सरकार ने इस शहरी पर विक्रेताओं की आजीविका को ध्यान में रखते हुए 1 जून 2020 को पीएम स्वनिधि योजना शुरू की जिसका उद्देश्य सड़क के किनारे व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को फिर से शुरू करने के लिए के कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना था, जो महामारी के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए थे। शहरी पथ विक्रेता सड़क के किनारे पर रहते हुए सस्ते दामों पर रोजमर्रा का सामान उपलब्ध कराते हैं और इसी से अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं द्य इन शहरी पथ विक्रेताओं का व्यवसाय काफी प्रभावित हुआ है जिन्हें पुन पटरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री शहरी पथ विक्रेता आत्मनिर्भर पीएम स्व निधि योजना की शुरुआत की गई है जिससे शहरी पथ विक्रेता जिन्हें रोलिंग के लिए अधिकतम 50000 तक का राष्ट्रीय कृत बैंकों द्वारा लोन उपलब्ध करने 14 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक विभिन्न वार्डों में एवं बैंकों में शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिससेअधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स,उनके परिवार को पीएम स्वनिधि का अधिकतम लाभ मिल सके एवं स्वनिधि संकल्प अभियान सही मायने में प्रभावी एवं सफल बना सकें।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत जो पथ विक्रेता लोन हेतु आवेदन किए थे जिनके प्रकरण बैंकों में लंबित है ऐसे लोन प्रकरणों के लिए स्वनिधि संकल्प अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन नगर पालिका द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक शाखाओ में किया गया द्य सिटी मिशन मैनेजर केतन नायक ने शिविर में जानकारी दी कि विभिन्न वार्डों में मुनादी करा कर इस अभियान में लाभान्वित पथ विक्रेताओं का स्व निधि से समृद्धि योजना में प्रोफाइलिंग किए जाने एवं डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन क्षमता संवर्धन जैसे नवाचार के माध्यम से सामाजिक आर्थिक उत्थान हेतु प्रोफ इलिंग का कार्य किया जा रहा है द्य इस अवसर पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका के सिटी मिशन मैनेजर केतन नायक, सामुदायिक संगठक उमेश्वरी नेताम, लक्ष्मी सिन्हा अभिजीत भगत उपस्थित रहे।

96 पाव शराब के साथ शराब परिवहन कर्ता आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। 96 पाव शराब के साथ शराब परिवहन कर्ता आरोपी को गिरफ्तार किया गया है यह साइबर सेल बेमेतरा व थाना बेरला की संयुक्त कार्यवाही है। 23.11.2025 को साइबर सेल व थाना बेरला पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बिना नंबर के मो0सा0 हीरो स्प्लेंडर प्लस मे अवैध रूप से शराब परिवहन करते अहिवारा से बेरला ग्राम चंडी भाठा मुडपार की ओर ले जा रहे है कि सूचना मिलने पर रेड कार्यवाही हेतु मौके पर उपस्थित गवाहन को चंडी भाठा चौक मे तलब कर मुखबीर सूचना से अवगत कराकर धारा 179 बी.एन.एस.एस. का नोटिस देकर कार्यवाही मे साथ रहने हिदायत देकर साथ ग्राम चंडी भाठा चौक मे मिले मुखबीर सूचना के संबंध मे बताकर पुलिस स्टाफव गवाह के मुखबीर के बताये सूचना के आधार पर अहिवारा तरफसे आ रही बिना नंबर के स्प्लेंडर प्लस मो0सा0 जो एक सफेद बोरी के साथ ग्राम मुडपार तालाब बरगद पेड के पास मिला जिसे घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया जिनसे नाम पता पुछने पर मोटर सायकल चलाने वाले व्यक्ति अपना नाम राजेश खुटेल पिता नारायन खुटेल उम्र 21 साल साकिन वार्ड नं 09 मुरमुंदा थाना नंदनी जिला दुर्ग एवं पीछे सफेद रंग के बोरी लेकर बैठा एक विधि से संघर्षरत बालक जिसके पास से एक सफेद रंग के बोरी मिला, जिसका उपर भाग बंधा हुआ था। राजेश खुटेल एवं विधि से संघर्षरत बालक के पास रखे सफेद रंग के बोरी का तलाशी लिया,तलाशी के दौरान एक सफेद रंग के बोरी मे बंधे रस्सी को राजेश खुटेल से खोलवाया गया .एक सफेद रंग के बोरी मे 96 पौवा देषी मसाला शोले शराब भरा हुआ मिला जिसके प्रत्येक पौवा मे 180-180 एम.एल. शराब भरा हुआ कुल 17280 एम.एल शराब कीमती करीबन 9,600 रूपये बरामद हुआ जिसके बिक्री करने एवं परिवहन करने के संबंध मे कोई वैध दस्तावेज या कागजात मांगने पर कोई दस्तावेज या कागजात नही होना बताकर लिखित मे देने पर राजेश खुटेल के कब्जे से .एक सफेद रंग के बोरी मे 96 पौवा देशी मसाला शोले शराब भरा हुआ मिला जिसके प्रत्येक पौवा मे 180-180 एम.एल. शराब भरा हुआ कुल 17280 एम.एल शराब कीमती करीबन 9,600 रूपये जिसका बैच नंबर 011 है को मुताबिक जप्ती पत्रक गवाहो के समक्ष जप्त कर मौके पर शीलबंद कर पंचनामा तैयार किया गया।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

बेमेतरा। मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली पूछताछ में आरोपी ने बचेड़ी मंदिर का चोरी का भी स्वीकार किया। इस के साथ ही मंदिर से हुई चोरी के संपत्ति को खरीदने वाला देहुती ज्वेलर्स साजा का संचालक संतु सोनी भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर 2025 को सशक्त ऐप के माध्यम से मोटरसाइकिल की चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल हीरो होंडा CBZ क्रमांक सीजी 07 एल आर 2452 को रोककर सशक्त ऐप से वाहन को चेक करने पर उक्त वाहन थाना साजा क्षेत्र से चोरी का होना पाए जाने पर वाहन चालक रामखिलावन साहू पिता स्वर्गीय लोमन साहू उम्र 32 साल साकिन करामाल थाना बेरला जिला बेमेतरा से पूछताछ किया गया तब आरोपी द्वारा उक्त मोटर सायकल को साजा शराब भट्ठी से चोरी करना इसके अलावा अन्य 02 मोटर सायकल पैशन प्रो CG 25 3129 एवं HF डीलक्स मोटरसाइकिल CG 25 E 6265 देवकर क्षेत्र में चोरी करना एवं दोनों वाहनों को कुछ दिन इस्तेमाल बाद पेट्रोल खत्म होने पर लावारिस हालत में छोड़ देना बताया जिन्हें पूर्व में ही बरामद किया जा चुका है। इसके अलावा दिनांक 27.10.2025 के रात्रि को ग्राम बचेड़ी चौकी देवकर के शीतला मंदिर में शीतला माता की मूर्ति से 03 नग सोने का लॉकेट एवं नगदी रुपए को भी चोरी करना स्वीकार किया एवं चोरी में प्राप्त सोने का लॉकेट को साजा के देहूति ज्वेलर्स के पास करीब 18,900 में बेचना बताया जिस पर देहुती ज्वेलर्स के संचालक संतु सोनी पिता भुवन लाल सोनी उम्र 52 साल साकिन साजा से पूछताछ करने पर रामखिलावन साहू द्वारा बेचे 3 लॉकेट को खरीदना बताया जिस पर ज्वेलर्स के संचालक संतु सोनी को चौकी देवकर के अपराध क्रमांक 296/25 धारा 305(घ), 317(2),331(4),3(5)bns के मामले में गिरफ्तार किया गया है। चौकी देवकर के अपराध क्रमांक 251/ 25 धारा 303 (2) बीएनएस ,अपराध मांक 151 /25 धारा 303 (2)bns , थाना साजा के अपराध क्रमांक 308/25धारा 303(2)bns के प्रकरण में चोरी गए वाहनों की चोरी करना स्वीकार करने पर आरोपीगण रामखिलावन साहू एवं दहुती ज्वैलर्स साजा के संचालक संतु सोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय साजा में पेश किया गया हैं। बेमेतरा पुलिस सभी सम्माननीय दुकानदारों व नागरिकों से अपील करती है कि बिना बिल के कोई भी वस्तु किसी व्यक्ति से न खरीदे और यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति कोई वस्तु बेचने आता है तो तत्काल अपने संबंधित थाना

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने 6 सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु कलेक्टर को सौपा ज्ञापन, एक दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरने की दी चेतावनी

बालोद। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन के बालोद जिले के पदाधिकारियों ने आरईएस विभाग में लंबे समय से लंबित समस्याओं, भुगतान की अस्पष्टता, अनियमित निविदा प्रक्रिया सहित कुल 6 सूत्रीय मांगों का निराकरण करने 30 नवंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा हैं। निराकरण नही होने की स्थिति पर एक दिसम्बर से आरईएस डिवीजन कार्यालय, बालोद के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ करने की चेतावनी दी हैं। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विनोद बंटी शर्मा ने बताया कि पूर्ण कार्यों का भुगतान सुनिश्चित करने जैसे विभाग के अंतर्गत डीएमएफ पर्यटन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, समग्र शिक्षा (राजीव गांधी मिशन), एसबीएम, पीएमश्री, पीएम पोषण शक्ति, उद्यानिकी एवं अन्य मदों में पूर्ण हो चुके कार्यों का भुगतान तिथि सुनिश्चित कर लिखित में आदेश जारी किया जाए। अब तक इन सभी मदों की राशि हेतु विभाग द्वारा कब, किस एजेंसी के नाम से और किस तारीख को डिमांड पत्र जारी किए गए, इसकी संपूर्ण सूची लिखित में उपलब्ध कराने, बिना बजट आवंटन या बिना राशि उपलब्धता के जोनल निविदा आमंत्रित न करने की मांग की गई हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व एवं वर्तमान में विभाग द्वारा मनमानी तरीके से जारी जोनल निविदाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने, अनुपयोगी जोनल टेंडरों पर जांच एवं निरस्तीकरण पूर्व के 20ङ्क20 लाख एवं 30ङ्क35 लाख के जोनल टेंडरों में तक पर्याप्त कार्यादेश जारी नहीं किए जा सके हैं, क्योंकि विभाग के पास कार्यों की कोई योजना ही उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद गुण्डरदेही ब्लॉक में पुनः 1 करोड़ म5= 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त जोनल निविदा आमंत्रित की गई है। यह अत्यंत गंभीर विषय है। इन निविदाओं की भी जांच कराने की मांग की गई हैं। इन दौरान दीपक चोपड़ा, संतोष साहू, खेमसिंह रायपुरिया, चंद्रेश नाहटा, सहित एसोसिएशन के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

2 लाख तक के छोटे कार्य पंचायत को सौंपे जाए

प्रदेश सचिव दाऊद खान ने बताया कि पूर्व में आमंत्रित निविदाओं को कार्य क्यों नहीं आवंटित किया गया, इसकी जवाबदेही तय की जाए यदि विभाग के पास किसी मद में कार्य उपलब्ध है तो तत्काल पूर्व के जोनल निविदाओं में कार्यादेश दिया जाए। यदि विभाग के पास किसी मद में राशि उपलब्ध है तो उसका भुगतान लंबित बिलों में प्राथमिकता से किया जाए। वर्तमान में आमंत्रित अतिरिक्त जोनल निविदाओं को तत्काल निरस्त किया जाए, ताकि किसी अन्य ठेकेदार को नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि जोनल निविदाओं में 10 हजार से 2 लाख तक के छोटे कार्यादेश ठेकेदारों को न देकर, ऐसे कार्य पंचायतों को सौंपे जाएं। छोटे कार्यादेशों में कार्य-लागत से अधिक मैनेजमेंट खर्च होता है, जिससे कार्य प्रभावित होता है। इस संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए जाए और विभाग में ठेकेदारों द्वारा जमा सिक्योरिटी डिपॉजिट (एसडी), परफॉर्मेंस गारंटी (पीजी) और रॉयल्टी राशि लंबे समय से अटकी हुई है। जिन ठेकेदारों ने भुगतान हेतु आवेदन किया है, उनकी संपूर्ण राशि तत्काल जारी किये जाने की मांग की गई हैं।

उन्होंने कहा कि अन्यथा की स्थिति उपरोक्त मांगों पर 30 नवम्बर तक संतोषजनक कार्रवाई न होने की स्थिति में, छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन, 1 दिसम्बर से आरईएस डिवीजन कार्यालय, बालोद के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ करने के लिए बाध्य होगा।

भारतीय मजदूर संघ ने चारों श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का स्वागत किया

दल्लीराजहरा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय मजदूर संघ ने चारों श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का स्वागत किया साथ ही संघ ने प्रधानमंत्री एवं श्रम मंत्री का आभार व्यक्त किया है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) भारत सरकार के ऐतिहासिक निर्णय का हृदयपूर्वक स्वागत करता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लंबे समय से प्रतीक्षित चार श्रम संहिताओं को लागू? किया गया है। ये संहिताएँ देश के समस्त श्रमिक वर्ग को गरिमा सुरक्षा और उन्नत कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। 21 नवम्बर को बीएमएस के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें राष्ट्रीय महामंत्री रविन्द्र कुमार हिम्मते, एस मलेशम उपाध्यक्ष,सजी नारायण पूर्व अध्यक्ष, सुरेन्द्रन संगठन मंत्री, गिरीश आर्य मंत्री पवन कुमार,रामनाथ गणेशी ,ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुखलाल मंडाविया से भेंट की और श्रम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा, जिसमें श्रम संहिताओं से जुड़े कुछ मुख्य चिंताएँ भी शामिल थीं। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारतीय मज़दूर संघ द्वारा उठाये गए सभी वास्तविक चिंताओं का गंभीरता से समाधान किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर संसद में संशोधन लाने सहित उचित कदम उठाए जाएँगे। हम श्रम मंत्री के सकारात्मक, संवेदनशील और रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए उनका विशेष धन्यवाद करते हैं। चारों श्रम संहिताएँ श्रम बाज़ार की नई और उभरती वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए रूपांतरित की गई हैं। निर्धारित रोजगार की सीमाओं से आगे वेतन - कवरेज का विस्तार तथा असंगठित एवं नव-विकसित क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना आधुनिक कार्यबल की आकांक्षाओं के अनुरूप दूरदर्शी सुधारों को दर्शाता है। बीएमएस पूरे देश में श्रम संहिताओं के प्रभावी और सुगम कार्यान्वयन के लिए पूर्ण सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सरकार एवं सभी संबंधित पक्षों के साथ संवाद जारी रखेंगे ताकि श्रमिकों का कल्याण श्रम शासन का केंद्रबिंदु बना रहे। बीएमएस का मानना है कि यह भारत की एक न्यायसंगत, समावेशी और सशक्त श्रमिक व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बेरला जनपद के सरपंच संघ ने 15वें वित्त की राशि जारी करने की मांग को लेकर विधायक दीपेश साहू को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने आज सरपंच संघ बेरला के अध्यक्ष रघुवीर पिंटू सिन्हा, सचिव लोकेश साहू कोषाध्यक्ष दिलीप निषाद आज सामूहिक रूप से विधायक बेमेतरा दीपेश साहू को ज्ञापन सौंपकर फरवरी 2025 से लंबित पड़े 15वें वित्त आयोग की राशि तत्काल जारी कराने की मांग की है। सरपंच संघ के अध्यक्ष रघुवीर (पिंटू) सिन्हा, सचिव लोकेश साहू, कोषाध्यक्ष दिलीप निषाद सहित सभी पदाधिकारियों ने बताया कि नवनिर्वाचित सरपंचों द्वारा ग्राम पंचायतों में बिजली, पानी, स्वच्छता, पेयजल, मोटर मरम्मत, स्टेशनरी, दस्तावेज तैयार करने तथा अन्य मूलभूत कार्य लगातार किए जा रहे हैं, किंतु 8 महीने बीत जाने के बावजूद 15वें वित्त की राशि ग्राम पंचायतों को प्राप्त नहीं हुई है।सरपंचों ने बताया कि राशि न आने से सामग्री प्रदाताओं एवं दुकानदारों का भुगतान लंबित है, जिसके कारण पंचायत कार्य प्रभावित हो रहे हैं एवं अक्सर सरपंचों को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। सरपंच संघ ने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी है कि यदि 15वें वित्त की राशि 15 दिसंबर 2025 तक प्राप्त नहीं होती, तो 01 जनवरी 2026 को सभी ग्राम पंचायत कार्यालयों में ताला लगाकर उसकी चाबी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बेरला को सौंप दी जाएगी। तथा पंचायतों के सभी कार्य अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए जाएंगे। सरपंच संघ ने विधायक से इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप कर समाधान कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा की जनपद पंचायत बेरला के सभी सरपंच साथियों द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र मैंने प्राप्त किया है। ग्राम पंचायतों की मूलभूत व्यवस्था–बिजली, पानी, स्वच्छता, पेयजल, मोटर मरम्मत, सामग्री क्रय एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 15वें वित्त की राशि अत्यंत आवश्यक है। यह राशि लंबे समय से लंबित है, जिससे पंचायतों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। मैं स्वयं इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेकर जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल चर्चा करूँगा, ताकि शीघ्रातिशीघ्र 15वें वित्त की राशि जारी हो सके और ग्राम पंचायतों का नियमित कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। ग्राम पंचायतें हमारे ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। सरपंच साथियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह मेरी प्राथमिकता है।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू ने सुनी आम जनता की समस्याएँ, समाधान का दिया भरोसा

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने निवास कार्यालय, बेमेतरा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों–जेवरी, नवागांव, हथमुड़ी, लोलसरा, बहेरघाट, सुरहोली, परपोड़ा , मनियारी एवं बेमेतरा नगर–से आए नागरिकों से सीधे संवाद किया। बड़ी संख्या में पहुँचे ग्रामीणों एवं शहरी नागरिकों ने अपनी समस्याएँ और आवश्यक मांगें विधायक साहू के समक्ष रखीं। इस दौरान लोगों द्वारा स्वच्छ पेयजल, सड़क व नाली निर्माण, विद्युत व्यवस्था, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्थानीय सुविधाओं के विस्तार जैसी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक साहू ने प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को उचित निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के अंत में विधायक साहू ने सभी नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में हमारी भाजपा सरकार सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, सड़क-नाली, सामुदायिक भवन, पेयजल, शिक्षा-स्वास्थ्य–हर क्षेत्र में जनहित हमारी प्राथमिकता है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवाहर वर्ग के लिए हम समर्पित हैं। उन्होंने आगे कहा विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में विकास की नई धारा बहेगी। आपकी हर उचित मांग पर शीघ्र कार्रवाई होगी और विकास का लाभ हर घर तक पहुँचाया जाएगा। जनता की समस्याएँ मेरी प्राथमिकता हैं, और समाधान हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा।

जिले में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए : कलेक्टर मिश्रा

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि जिले में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों में किसी प्रकार की समस्या न हो। कलेक्टर मिश्रा ने कार्यालय के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं के प्रथम तिमाही में पंजीयन तथा 4 आवश्यक जॉच, आयरन गोली का वितरण, संस्थागत प्रसव की संस्थावार समीक्षा की तथा इस संबंध में अब तक प्राप्त लक्ष्य की जानकारी ली। उन्होंने पर्याप्त स्टाफ और भवन वाले स्वास्थ्य केंद्रों में अप्रैल 2025 से अक्टुबर तक शून्य प्रसव वाले संस्थाओं के कर्मचारियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत छूटे हेतु शत प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण, यू-विन पोर्टल पर शत प्रतिशत् एन्ट्री, एनिमिया मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत स्कूल व आंगनबाड़ी के बच्चों दी जाने वाली आयरन गोली की समीक्षा कर प्राप्त लक्ष्य की जानकारी ली। उन्होंने चिरायु कार्यक्रम अन्तर्गत गंभीर जटिल बीमारी वाले बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर उच्च संस्थानों में ईलाज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में प्रसव उपरान्त गंभीर अवस्था वाले नवजात शिशुओं के लिए संचालित एस.एन.सी.यू. व एन.बी.एस.यू. में शतप्रतिशत शिशुओं को भर्ती कर उपचारित करने के निर्देश भी दिए।

समाधान महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित हुआ

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। बीएड द्वितीय वर्ष के छात्रों ने सहायक प्राध्यापकों एवं प्रथम वर्ष के छात्रों का तिलक व पुष्पगुच्छ से स्वागत एवं अभिनंदन किया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम की यह परंपरा महाविद्यालय में प्रारंभ से निरंतर संचालित होती आ रही है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, नियम-अनुशासन और शैक्षणिक संस्कृति से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे वे कॉलेज से आत्मीय रूप से जुड़ सकें। सभी ने शिक्षक बनने के उद्देश्य से इस महाविद्यालय में प्रवेश लिया है, इसलिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी गंभीरता, तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि महाविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से ये सभी विद्यार्थी भविष्य में कुशल, उत्तरदायी और आदर्श शिक्षक के रूप में समाज में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। बीएड की विभागाध्यक्ष निधि तिवारी ने नए सत्र के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बीएड के दो वर्षीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षण कौशल, शिक्षक बनने की भूमिका तथा विद्यालयीन दायित्वों पर विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा। संस्थान में प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण विद्यार्थियों को एक सक्षम, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण शिक्षक बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, इसलिए प्रत्येक प्रशिक्षु को इसे गंभीरता से ग्रहण करना आवश्यक है। समाज में अध्यापक की भूमिका अत्यंत सम्मानजनक होती है। माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय इसलिए निश्चिंत होकर भेजते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. जी. डी. मानिकपुरी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल स्वागत समारोह नहीं, बल्कि एक परंपरा है। जिस प्रकार परिवार के बड़े-बुजुर्ग अपनी रीति-रिवाज और परंपराओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाते हैं, उसी तरह नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को कॉलेज की परंपरा से परिचित कराने और उसे बनाए रखने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। नवप्रवेशित विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की असीम संभावनाएँ निहित हैं।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वीं बलिदान की जानकारी जन जन तक पहुंचाया गया

बेमेतरा। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा में छत्तीसगढ़ सिख्ख समाज, संयुक्त धर्म प्रचार कमेटी तथा गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्किल बेमेतरा के संयुक्त नेतृत्व में एक विशेष आध्यात्मिक व शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंद की चादर, सृष्टि की चादर गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्षगांठ को समर्पित एक प्रेरणादायी सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गुरु साहिब के त्याग, बलिदान, मानवीय मूल्यों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा हेतु दिए गए अद्वितीय योगदान के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी की गाथा, उनके आध्यात्मिक विचार, शांति, सहनशीलता और मानवता की रक्षा के लिए दी गई सर्वोच्च शहादत को सहज और प्रभावशाली ढंग से विद्यार्थियों तक पहुँचाया। बच्चों में गुरु साहिब जी के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज में भाईचारा, सद्भाव और इंसानियत को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज, संयुक्त धर्म प्रचार कमेटी, व, गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल बेमेतरा के पदाधिकारयों द्वारा किया गया। विद्यालय के 300 से अधिक छात्राओं ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी को श्रद्धांजलि अर्पित की, शासकीय विद्यालय के प्रधान पाठक टी. डी. जांगड़े सर ने इस आयोजन के लिए समिति का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

थाना गोबरा नवापारा बस स्टैंड में अवैध शराब के साथ 01 शराब कोचिया गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अटल नगर एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय अटल नगर के दिशानिर्देश व मार्गदर्शन में तथा निरीक्षक थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल गोबरा नवापारा के नेतृत्व में अवैध शराब बिक्री पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु एवं अवैध शराब बिक्री संचालित करने वालो पर लगाम लगाने कि नियत से मुखबीर से सूचना मिली कि श्रीराम सोनकर नामक व्यक्ति अपने सोनकर ढाबा में एक प्लास्टिक बोरी में बिक्री हेतु शराब रखा है। कि मुखबिर सूचना पर हमराह स्टाफ व गवाहान के मुखबिर के बताये स्थान ढाबाबस स्टैंड के पास श्रीराम सोनकर के द्वारा अवैध शराब बिक्री करने हेतु रखा है कि मुखबिर सूचना पर हमराह स्टाफ व गवाहान के मुखबिर के बताये बताएं स्थान सोनकर ढाबा बस स्टैंड नवापारा पहुँचकर मुखबिर के बताएं व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपना नाम - श्री राम सोनकर पिता रामकुमार सोनकर उम्र 27 साल साकिन केसर पारा नवापारा वार्ड क्रमांक 13 थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर का रहने वाला बताया उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक प्लास्टिक के बोरी में 28 पौवा देशी मशाला शराब कुल मात्रा 05 लीटर 40 रूकिमती करीबन 2800/ रुपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना गोबरा नवापारा में अपराध क्रमांक - 441/25 धारा- 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही कर रिमाण्ड पर रायपुर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी 01. श्रीराम सोनकर पिता रामकुमार सोनकर उम्र 27 साल साकिन कसेरपारा वार्ड क्रमांक 13 नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर *कार्यवाही में थाना गोबरा नवापारा सउनि साबिर अली, आरक्षक 467 हुलास साहू, आरक्षक 2554 कशान रजा,आरक्षक 2576 सुदीप मिश्रा की अहम भूमिका रही

प्रोजेक्ट धड़कन संजय मित्तल ने दान की सात हार्ट चेकअप मशीनें

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी एवं स्कूली बच्चों के हृदय जांच हेतु प्रोजेक्ट धड़कन संचालित किया जा रहा है।यह प्रोजेक्ट सत्य साईं हॉस्पिटल, नवा रायपुर के सहयोग से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में रायगढ़ के सिंघल स्टील उद्योग के श्री संजय मित्तल ने कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह से मुलाकात कर हृदय जांच के लिए सात हाई-डेफिनेशन स्टेथोस्कोप एवं टैबलेट दान किया । इन सात मशीनों में से चार मशीनें स्वास्थ्य विभाग तथा तीन मशीनें महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रदान की गई हैं।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि अब तक जिले के 12,000 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के बच्चों की जांच की जा चुकी है। इस योजना के तहत जिन बच्चों में हृदय संबंधी समस्या पाई जाती है, उन्हें आगे की जांच के लिए सत्य साईं हॉस्पिटल, नवा रायपुर भेजा जाता है। किसी भी बच्चे में गंभीर बीमारी की पुष्टि होने पर जिला प्रशासन द्वारा उसका नि:शुल्क उपचार सुनिश्चित किया जाता है। कलेक्टर ने कहा, इस योजना का उद्देश्य है कि जिले का कोई भी बच्चा हृदय रोग से पीड़ित न रहे और सभी बच्चे स्वस्थ व सुरक्षित रहें। डॉ. सिंह ने कहा कि मशीनों की संख्या बढ़ने से हम जिले के हर बच्चे तक जल्द से जल्द पहुंचाने का प्रयास करेंगे और उनके सफल परीक्षण करवाएंगे । इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन, जिला पंचायत ईओ कुमार विश्वरंजन, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने सराफा दुकान गोलीकांड का किया खुलासा, दो अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। शहर के चर्चित सराफा कारोबारी भंवरलाल बरड़िया की दुकान में छह माह पूर्व हुई फायरिंग और लूट के प्रयास का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने लगातार तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र के सहारे दो शातिर आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद ज्वेलर्स संचालक भंवरलाल बरड़िया ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर टीम के प्रति आभार जताया। घटना 13 मई 2025 की रात लगभग 8:30 बजे रायपुर रोड स्थित बरड़िया ज्वेलर्स में हुई थी, जब दो नकाबपोश बदमाश दुकान के भीतर घुसकर शटर बंद कर दिए थे। दोनों ने संचालक को हथियार दिखाकर धमकाया और लूट की कोशिश की। आवाज सुनकर दुकान में पहुंची उनकी बेटी पर आरोपियों ने एयर पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी कोतवाली में ब्लैक की कड़ी धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज हुआ। शुरुआती जांच में कोई ठोस सुराग नहीं मिला, लेकिन पुलिस ने जांच बंद नहीं की। पुलिस अधीक्षक परिहार ने केस की खुद समीक्षा कर टीमों को नए सिरे से प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके बाद शहर और मार्गों के सैकड़ों फुटेज खंगाले गए।

उपमुख्यमंत्री ने सहसपुर लोहारा विकासखंड के 09 स्कूलों में स्मार्ट क्लास का किया शुभारम्भ

स्मार्ट क्लास से कठिन विषय भी होंगे रोचक और आसान-शर्मा

- सिलहाटी में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा बने डिजिटल कक्षा के छात्र, शिक्षक ने डिजिटल बोर्ड में पढ़ाया आंख की संरचना
- उप मुख्यमंत्री ने मुख्य सड़क से स्कूल तक पहुंचने के लिए सीसी रोड निर्माण की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के स्कूलों में डिजिटलीकरण की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज ग्राम सिलहाटी के उच्चतर माध्यमिक शाला से सहसपुर लोहारा विकासखंड के अंतर्गत संचालित 9 शासकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधा का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में सहसपुर लोहारा विकासखंड के सभी 9 स्कूल भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा भी बच्चों के साथ बच्चे बन गए और उनके साथ डिजिटल कक्षा में पढ़ाई की। इस दौरान जीव विज्ञान के शिक्षक ने उन्हें जीव विज्ञान में डिजिटल बोर्ड द्वारा थ्रीडी एनिमेटेड डिजिटल कंटेंट से आंख की संरचना, दिमाग की संरचना के संबंध में पढ़ाया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने बच्चों की तरह शिक्षकों से सवाल भी किए। ज्ञात हो कि कवर्धा में डिजिटल कक्षाओं की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा की पहल पर जिले भर में अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत विकासखंड कवर्धा में डिजिटल कक्षाओं की सुविधा का शुभारंभ पहले ही किया जा चुका है, जिसके बाद अब सहसपुर लोहारा क्षेत्र में भी डिजिटल शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सड़क से स्कूल तक पहुंचने के लिए सीसी रोड निर्माण की भी घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम के

दौरान वर्चुअल माध्यम से जुड़े विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास के लाभ बताते हुए समझाया कि वे इस आधुनिक तकनीक का उपयोग कर किस प्रकार अपनी पढ़ाई को अधिक प्रभावी और रोचक बना सकते हैं। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अपनी कल्पना शक्ति को हमेशा सक्रिय और प्रबल रखें। स्मार्ट क्लास के माध्यम से भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित और भूगोल जैसे विषयों में जटिल अवधारणाओं को सरलता से समझा जा सकेगा, विशेषकर सौर मंडल, संरचनात्मक प्रक्रियाओं और वैज्ञानिक विषयों को समझने में आसानी होगी। कार्यक्रम में श्री शर्मा ने स्मार्ट क्लास की संपूर्ण तकनीकी कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया और शिक्षकों से इसकी संरचना, संचालन एवं उपयोग प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल उपकरणों की स्थापना या तकनीक की उपलब्धता भर नहीं है, बल्कि संपूर्ण शिक्षा-तकनीक में परिवर्तन लाने वाली एक दूरदर्शी पहल है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से मल्टी-डायमेंशनल कंटेंट, थ्री-डी विजुअलाइजेशन और इंटरएक्टिव लर्निंग की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कठिन से कठिन विषय भी विद्यार्थियों के लिए रोचक, आकर्षक और सरल बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली कला, वाणिज्य, विज्ञान और गणित सभी विषयों के लिए अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि अब सम्पूर्ण शिक्षण सामग्री त्रि-आयामी स्वरूप में प्रदर्शित हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि एआई की सहायता से हम सीखने की पद्धति को पूरी तरह बदल सकते हैं।

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में युवती बची,स्टेशन पर हड़कंप

रायपुर। संवाददाता

रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब रायपुर जा रही हसदेव एक्सप्रेस से उतरने की कोशिश में एक युवती ट्रेन के पहियों के नीचे आने से बाल-बाल बच गई। मौके पर मौजूद टीटी और रेलवे पुलिस की त्वरित कार्रवाई से युवती की जान बच गई, जिसने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के बीच हड़कंप मचा दिया। यह घटना सुबह लगभग 6 बजकर 35 मिनट पर हुई, जब हसदेव एक्सप्रेस रायपुर के लिए रवाना हो रही थी। ट्रेन के प्लेटफॉर्म छोड़ते ही, दो सगी बहनें दौड़ते हुए आईं और चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगीं। बड़ी बहन किसी तरह चलती ट्रेन में चढ़ गई। छोटी बहन को मौके पर मौजूद रेलवे पुलिस ने खतरा भांपते हुए चढ़ने से रोक दिया। छोटी बहन को स्टेशन पर खड़ा देख, बड़ी बहन ने तुरंत चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की। इसी प्रयास में वह संतुलन खो बैठी और फिसलकर लगभग ट्रेन के पहियों के नीचे आने ही वाली थी। तत्काल बचाव कार्य युवती को फिसलते देख, प्लेटफॉर्म पर तैनात रेलवे पुलिस और टिकट परीक्षक ने बिना समय गंवाए हस्तक्षेप किया। उन्होंने तुरंत दौड़कर युवती को सुरक्षित बाहर निकाला। यह दृश्य इतना भयावह था कि स्टेशन पर मौजूद सभी यात्रियों की निगाहें उन पर टिक गईं। इस घटना के बाद, टीटी और रेलवे पुलिस ने युवती को उसकी जान जोखिम में डालने वाली हरकत के लिए फटकार लगाई। साथ ही, अन्य यात्रियों को भी चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने के खतरों के बारे में सख्ती से समझाया। चलती ट्रेन में चढ़ना-उतरना जानलेवा: रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास करना कानूनी रूप से अपराध होने के साथ-साथ अत्यंत खतरनाक है। एक और घटना टली: इसी दौरान, एक अन्य परिवार को भी एक साल की मासूम बच्ची के साथ चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास से रोका गया, जिससे एक और संभावित दुर्घटना टल गई।

एक करोड़ 30 लाख रुपये के नशीले तेल की तस्करी का भंडाफोड़

रायपुर। बस्तर पुलिस ने ड्रग तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता दर्ज करते हुए बोधघाट थाना क्षेत्र में 10 किलो से अधिक गांजा और हशीश से तैयार नशीला तेल जब्त किया है। बरामद हाई-कंसंट्रेशन ऑयल की अनुमानित अंतरराज्यीय कीमत करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ओडिशा के दो तस्करों को गिरफ्तार किया, जो इसे छत्तीसगढ़ की सीमा से होते हुए हैदराबाद, मुंबई और पुणे तक सप्लाई करने की योजना में थे। यह बस्तर पुलिस की इस वर्ष की सबसे बड़ी ड्रग्स जब्ती मानी जा रही है। मुखबिर से मिली सूचना पर रेलवे साइडिंग क्षेत्र के पास नाकाबंदी की गई और ओडी 30 डी 6588 नंबर की बाइक को रोककर जांच की गई।

खरीदी और मुद्रण का टेण्डर जारी किया गया

करोड़ों की पाठ्यपुस्तकों के कागज खरीदी,पापुनि हाईकोर्ट की शरण में

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम में एससीईआरटी के अनुसार मुद्रण हेतु 70 जीएसएम के बदले 80 जीएसएम के उपयोग करने के लिए कागज खरीदी इस समय विवाद का विषय बनती जा रही है। जिसके चलते पाठ्यपुस्तक निगम ने टेण्डर जारी कर दिया है, लेकिन अब हाईकोर्ट में कैबिएट लगा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम इस समय विवाद का विषय बना हुआ है। निर्धारित समय में पाठ्यपुस्तक निगम की आपूर्ति नहीं हो पाई है, जिसके चलते शिक्षकों ने भी सरकार की आलोचना करना शुरू कर दिया है। इधर पाठ्यपुस्तक

निगम ने पाठ्यपुस्तकों के छपाई के लिए कागज की चौड़ाई में बदलाव कर दिया है। इसके पश्चात मुद्रण का भी आदेश दे दिया गया है। निगम के टेण्डर की प्रक्रिया को लेकर आपूर्तिकर्ता कागज मील के मालिकों में रोष है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पाठ्यपुस्तकों का मुद्रण 70 जीएसएम में किया जाता था, अब इसे 80 जीएसएम किए जाने का निर्णय लिया गया है। अब यह निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है इसके औसत 8000 मीट्रिक टन कागज लेना होगा। अधिकारियों के अनुसार कागज का मूल्य लगभग 40 करोड़ रूपए होगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक निगम के द्वारा टेण्डर भी जारी कर दिया गया है। पाठ्यपुस्तक निगम में कागज की आपूर्ति आमलाई, लुधियाना, तथा अन्य प्रदेश के कागज मीलों से की जाती है। पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष भाजपा नेता राजा पाण्डेय ने बताया कि सरकार ने 70 जीएसएम की बजाय 80 जीएसएम में कागज मुद्रण करने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में अगले दिनों बढ़ेगा तापमान,लेकिन ठंड भी जल्द लौटेगी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में शुष्क मौसम का दौर जारी है. रायपुर में अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री रहने का अनुमान है। आने वाले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री की वृद्धि हो सकती है, इसके बाद तापमान फिर गिरने से ठंड बढ़ सकती है। प्रदेशभर में वर्षा या बादलों की संभावना नहीं है। छत्तीसगढ़ में तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है. सुबह-शाम की ठंड के बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में हल्की वृद्धि के संकेत दिए हैं। हालांकि यह राहत ज्यादा समय तक नहीं रहेगी और इसके बाद तापमान दोबारा गिरने से प्रदेश में ठंड बढ़ सकती है। इस दौरान प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और प्रदेश के किसी भी जिले में वर्षा रिकॉर्ड नहीं की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार प्रदेश में इस समय बारिश या बादलों का कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है। मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री रायपुर के माना में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 09.9 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। उत्तरी क्षेत्रों में सुबह और रात के समय ठंड अधिक महसूस की जा रही है। अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 1-2 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। इसके बाद तापमान दोबारा गिर सकता है, जिससे ठंड में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने किसी भी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की है। फिलहाल मौसम सामान्य स्वरूप में बना रहेगा। राजधानी रायपुर में 23 नवंबर को आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान है। शहर में अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री रहने की उम्मीद है। दिन सामान्य रहने के साथ रातें ठंडी बनी रहेंगी। दो दिनों के बाद भी प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है और तापमान में गिरावट के साथ ठंड का असर और बढ़ सकता है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न संभागों में मौसम सामान्य रहेगा और दिन के समय हल्की गर्मी, जबकि रात में ठंड महसूस होगी। रायपुर संभाग में अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15.17 डिग्री रहने की संभावना है।

ग्राम मोतीपुर में चांदी के जेवर एवं नगदी रकम चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थिया अमृत बाई केंवट निवासी ग्राम मोतीपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 21.11.2025 को सुबह वह काम करने खेत गए हुई थी, इस दौरान घर में कोई नहीं था। जब वह 02 घंटे बाद घर वापस आई तो देखी, कि घर का ताला टूटा हुआ है तथा अलमारी में रखे सोने चांदी का जेवर एवं नगदी रकम सहित कुल ?32,000 का सामान किसी अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर लिया गया है। कि रिपोर्ट पर थाना कसडोल में अपराध क्र. 688/2025 धारा 331(3),305(ए) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना कसडोल पुलिस द्वारा जांच कार्रवाई प्रारंभ किया गया। साथ ही प्रार्थिया के घर के आस-पास निवासरत लोगों एवं ग्रामीणों से भी विस्तृत पूछताछ कर कथन लिया गया, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा प्रार्थिया के घर के आसपास संदिग्ध रूप से घूमने वाले जिला जांजगीर चांपा निवासी संदेही आरोपी विमल कौशिक को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा प्रार्थिया के मकान को सूना पाकर, उसके घर में घुसकर अलमारी का ताला तोड़ते हुए चांदी का जेवर एवं नगदी रकम चोरी करना स्वीकार किया गया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में सीएम ने छत्तीसगढ़ पेवेलियन का किया अवलोकन

- हस्तशिल्प, वन-उत्पाद और पारंपरिक कला ने खींचा देश-विदेश के खरीदारों का ध्यान
- बस्तर बदल चुका है, और यह डॉक्यूमेंट्री उसी परिवर्तन का जीवंत अवलोकन कराती

रायपुर/ संवाददाता

भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आज छत्तीसगढ़ पेवेलियन आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पेवेलियन का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने पेवेलियन में प्रदर्शित उत्पादों और नवाचारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वैश्विक व्यापार मंचों पर लगातार अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, वनोपज आधारित उत्पाद और पारंपरिक कला वैश्विक बाजार में अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के खरीदारों के बीच छत्तीसगढ़ी उत्पादों की बढ़ती मांग स्थानीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और हमारे कारीगरों के सम्मान को नई दिशा दे रही है। यह 'आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़' के हमारे संकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने पवेलियन में प्रदर्शित कोसा सिल्क, धातु-शिल्प, ढोकरा कला, प्राकृतिक वन-आधारित उत्पाद, मिलेट-आधारित फूड प्रोडक्ट्स और सूक्ष्म उद्यमों के अभिनव मॉडल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने पेवेलियन में बस्तर की समृद्ध विरासत और कलाकृतियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने डिजिटल टीवी पर प्रसारित डॉक्यूमेंट्री 'बदलता बस्तर (आमचो बस्तर)' का अवलोकन करते हुए कहा कि डॉक्यूमेंट्री में आज का नया बस्तर स्पष्ट दिखाई देता है। बस्तर बदल चुका है, और यह डॉक्यूमेंट्री उसी परिवर्तन का जीवंत अवलोकन कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय और ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने के लिए विभिन्न योजनाओं और संस्थागत समर्थन को निरंतर मजबूत कर रही है। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, श्रीमती कमलेश जांगड़े एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्ण पारदर्शी प्रक्रिया से धान खरीदी व्यवस्था

सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने धान उपार्जन केंद्र तुरनार में किसानों का किया गया सम्मान

- धान खरीदी किसानों के सम्मान का महापर्व - मंत्री श्री कश्यप
- टोकन तुहर हाथ' मोबाइल ऐप से, माइक्रो एटीएम से नगद निकासी की व्यवस्था

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं सहकारिता मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज अपने बीजापुर प्रवास के दौरान धान उपार्जन केंद्र तुरनार पहुँचकर किसानों से मुलाकात की। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पूरे प्रदेश में सुचारू रूप से जारी है। बीजापुर जिले में भी यह प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रही है। मंत्री श्री कश्यप ने धान बेचने आए किसानों का तिलक लगाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से की गई। किसानों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन धान खरीदी को एक महापर्व के रूप में मना रहा है, जिससे किसानों में उत्साह का वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का पूरा मूल्य दिया जाएगा। आपके धान का एक-एक दाना खरीदा जाएगा और आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाएगा। पिछले वर्ष रिकॉर्ड खरीदी हुई थी और इस वर्ष उससे अधिक खरीदी का लक्ष्य है। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि धान खरीदी को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने किसानों को उपार्जन केंद्रों में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, धान राशि का त्वरित अंतरण, केंद्रों में मूलभूत सुविधाएँ, टोकन निर्गमन की आसान प्रक्रिया, 'टोकन तुहर हाथ' मोबाइल ऐप से किसानों द्वारा स्वयं टोकन निकालने की सुविधा।

संपादकीय

'ग्लोबल माफिया' की अमेरिका, कनाडा, दुबई में जड़ें

देश में गिरोहबाजों का तंत्र सुरक्षा एवं जांच एजंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अपराध की दुनिया के ये कुख्यात सरगना कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने के बाद आसानी से विदेश भाग जाते हैं और वहीं से अपने गिरोह को संचालित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे कई गिरोह पनपे, जो समाज के लिए बड़ा खतरा बन गए। लारेंस बिश्नोई गिरोह भी इनमें से एक है। लारेंस के सुरक्षा एजंसियों की गिरफ्त में आने के बाद उसका भाई अनमोल अमेरिका से इस गिरोह को संचालित कर रहा था।मगर, राष्ट्रीय जांच एजंसी ने अब उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या सहित कई अन्य अपराधों में वांछित था।अनमोल की गिरफ्तारी को भले ही जांच एजंसी की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन सवाल है कि इस तरह के अपराधी सुरक्षा एजंसियों को चकमा देकर विदेश कैसे फरार हो जाते हैं?इसे सुरक्षा एजंसियों की विफलता नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि लारेंस बिश्नोई गिरोह ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात सहित तेरह राज्यों में अपना तंत्र खड़ा कर लिया था। यही नहीं, इस गिरोह ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, दुबई और पुर्तगाल जैसे देशों में भी अपनी जड़ें जमा लीं।क्या कारण है कि तमाम संसाधनों और तकनीकी दक्षता के बावजूद राज्यों की पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजंसियां इस तरह के गिरोहों पर लगाम कसने में उतनी सतर्क एवं सजग नजर नहीं आतीं, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है।लारेंस और अनमोल के अलावा और भी कई गिरोहबाज विदेश से देश के भीतर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने की साजिश रचते रहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने ऐसे गिरोहबाजों की धरपकड़ के लिए पिछले कुछ समय से अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज किया है और मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाना इन्हीं प्रयासों का नतीजा है। उम्मीद है कि सरकार और सुरक्षा एजंसियां विदेश में बैठे आर्थिक अपराधियों सहित अन्य गिरोहबाजों को भी न्याय के कठघरे में लाएगी।

अमेरिका की कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) की विवादास्पद रिपोर्ट ने मई 2025 में भारत-पाकिस्तान संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) पर एकबार फिर नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट में संघर्ष के स्वरूप और परिणामों को लेकर कई दावे किए हैं। ऐसे दावे, जिनके समर्थन में कोई स्वतंत्र या सत्यापन योग्य प्रमाण उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट में सबसे विवादास्पद बात पाकिस्तान ने सामरिक सफलता प्राप्त की और भारत ने तीन लड़ाकू विमान खोए हैं। यह वही नैरेटिव है, जो संघर्ष के तुरंत बाद पाकिस्तानी सोशल मीडिया इको-सिस्टम में फैलाया गया था, जिसे तब भी दुनिया भर के फैक्ट-चेक मंचों, ओएसआईएनटी समूहों और सैन्य विश्लेषकों ने खारिज कर दिया था।

यूएससीसी रिपोर्ट- राष्ट्रीय सुरक्षा का अंतिम निर्णय विदेशी नहीं, भारतीय संप्रभु संस्थाएं करेंगी

(विनोद पाठक)

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक आधिकारिक अमेरिकी रिपोर्ट ऐसे निष्कर्षों पर कैसे पहुंची? जिनका कोई ठोस आधार नहीं है, जो क्षेत्रीय वास्तविकताओं से मेल नहीं खाते।इसका एक उत्तर भू-राजनीति, विशेषकर चीन की भूमिका, में छिपा है। आश्चर्यजनक यह है कि भारत में एक वर्ग इस रिपोर्ट पर कूद रहा है।

दरअसल, भारत-पाकिस्तान संघर्ष का उपयोग चीन ने एक अवसर की तरह किया। पाकिस्तान के साथ उसका सैन्य-रणनीतिक गठजोड़ और सी-पैक जैसे प्रोजेक्ट्स में उसकी गहरी आर्थिक हिस्सेदारी पहले से स्पष्ट है। फिर चीन ने इस संघर्ष को अपने हथियारों और तकनीकों के परीक्षण के लिए उपयोग किया। चीन ने अपने एचक्यू-9 एयर-डिफेंस सिस्टम और कुछ मिसाइल तकनीकों की प्रभावशीलता को रियल टाइम वातावरण में मापने की कोशिश की। ऐसा भारत पहले ही कह चुका है।

एक सच्चाई यह भी है कि चीन ने भारत निर्मित या भारत द्वारा खरीदे गए हथियारों, विशेषकर राफेल और एस-400 की क्षमता को लेकर दुष्प्रचार फैलाने की भी कोशिश की। जैसा, अमेरिकी रिपोर्ट कह रही है।

ऑपरेशन सिंदूर और चीन की रणनीति: स्पष्ट है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की रणनीति केवल सैन्य परीक्षण भर नहीं थी। उसका उद्देश्य वैश्विक हथियार बाजार में अपने जे-35 जैसे लड़ाकू जहाजों और मिसाइल प्रणालियों को युद्ध सिद्ध दिखाकर उनकी बिक्री बढ़ाना भी था। पाकिस्तान उसके लिए एक परीक्षण प्रयोगशाला और क्षेत्रीय मोहरा, दोनों है। यही वह बिंदु है, जो अमेरिकी रिपोर्ट

को संदिग्ध बनाता है। रिपोर्ट में चीन का उल्लेख है, लेकिन जिस प्रकार चीन-पक्षीय नैरेटिव को स्थान दिया गया है, उससे यह आशंका बलवती होती है कि रिपोर्ट का हिस्सा राजनीतिक प्रभाव, लॉबी और रणनीतिक दबावों से निर्मित हुआ होगा, न कि ठोस तथ्यों पर आधारित है। किसी भी देश के लिए बाहरी दुष्प्रचार उतना खतरनाक नहीं होता, जितना तब जब उसकी आंतरिक राजनीति उसे अनजाने में वैधता देने लगती है। यही स्थिति भारत में देखने को मिली। विडंबना यह है कि अमेरिकी रिपोर्ट के आते ही भारत के भीतर एक वर्ग, विशेषकर विपक्ष, ने इसे तुरंत राजनीतिक आक्रमण के हथियार के रूप में उठा लिया, बिना इस तथ्य को परखे कि यह रिपोर्ट विवादास्पद, प्रमाण हीन और भू-राजनीतिक दबावों से प्रभावित हो सकती है। वैसे तो लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर अप्रमाणित विदेशी रिपोर्टों पर विश्वास जताना, विशेषकर तब जब वे शत्रु देशों के दुष्प्रचार से प्रेरित हो सकती हों, अत्यंत जोखिमपूर्ण है। इससे न केवल जनता का आंतरिक विश्वास टूटता है, बल्कि भारत विरोधी नैरेटिव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनचाहा बल मिलता है। राष्ट्र की सुरक्षा नींव का निर्माण सेना, संस्थाओं और रणनीतिक स्वायत्तता से होता है, न कि विदेशी थिंक-टैंकों की रिपोर्टों से। किसी भी दल के लिए यह समझना आवश्यक है कि सरकार हो या विपक्ष, देश की संप्रभुता सर्वोपरि है।

भारत को क्या करना चाहिए?: भारत को इस समय दो मोर्चों पर बराबर मजबूती से खड़ा होना है। पहला, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने तथ्य, साक्ष्य और विश्लेषण को स्पष्ट, सुसंगत और दृढ़ता से रखना और दूसरा, घरेलू राजनीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखना। अमेरिकी रिपोर्ट का कूटनीतिक स्तर पर स्पष्ट खंडन आवश्यक है और सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत की सैन्य कार्रवाई और उसके परिणामों से जुड़े तथ्यों के सटीक दस्तावेज अंतरराष्ट्रीय संस्थानों तक पहुंचें। साथ ही, भारत अपने राष्ट्रीय सुरक्षा संचार तंत्र को और सक्षम बनाए। आज दुष्प्रचार केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक रिपोर्टों, थिंक-टैंकों और रणनीतिक मंचों के माध्यम से भी फैल रहा है। भारत को अपने संस्थागत तंत्र जैसे रॉ, डीआईए, एनटीआरओ, विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा, ताकि देश विरोधी नैरेटिव को तुरंत चुनौती दी जा सके। यह मामला केवल एक विदेशी रिपोर्ट का नहीं है। यह इस व्यापक चुनौती का प्रतीक है कि आज का भू-राजनीतिक माहौल कितना जटिल हो चुका है। दुष्प्रचार अब परंपरागत युद्ध जितना ही प्रभावशाली हथियार बन गया है। चीन और पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वी इसे भली-भांति समझते हैं। भारत को भी इसे समान गंभीरता के साथ समझना होगा। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि सूचना-युद्ध में भी सुरक्षित रखनी होती है। इसके लिए सरकार, विपक्ष, मीडिया और रणनीतिक समुदाय सभी की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण है। आज भारत को एक ही दिशा में एकजुट रहने की आवश्यकता है कि सैन्य सफलता को तथ्य निर्धारित करेंगे, राजनीति नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा का अंतिम निर्णय विदेशी रिपोर्टें नहीं, बल्कि भारतीय संप्रभु संस्थाएं करेंगी।यह लेखक के निजी विचार हैं।

प्रशासन की सुस्ती से बच्चों पर संकट

(देवेंद्रराज सुथार)

'भारत में औसतन हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है'। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी देश में बाल संरक्षण व्यवस्था की गंभीर कमजोरियों को रेखांकित करती है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन द्वारा व्यक्त चिंता केवल न्यायिक अवलोकन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है, जो बताती है कि देश में बच्चों की सुरक्षा से संबंधित तंत्र अपनी मूलभूत जिम्मेदारियों को निभाने में किस हद तक विफल है। इस समस्या का पैमाना अत्यंत व्यापक है और इसके प्रभाव सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक एवं नैतिक, सभी स्तरों पर दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े इस संकट की गहराई का स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2023 में देश में लगभग 1.4 लाख बच्चे लापता हुए, जिनमें से लगभग 49,000 अब तक नहीं मिल सके हैं। वर्ष 2022 के आंकड़े बताते हैं कि लगभग 47,000 से अधिक लापता बच्चों में 72 प्रतिशत लड़कियां थीं। उसी वर्ष मानव तस्करी के 424 मामले दर्ज किए गए। पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गायब हुई लड़कियों की संख्या 10,000 से अधिक है, जो स्थानीय प्रशासन की प्राथमिकताओंऔर सुरक्षा तंत्र पर प्रश्नचिह्न लगाती है। 2020 और 2021 के बीच लापता बच्चों के मामलों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने 'गुड़िया' नामक स्वयंसेवी संस्था की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है और 'खोया-पाया' पोर्टल की कार्यक्षमता पर भी सवाल उठाए हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने गोद लेने की प्रक्रिया की अत्यधिक जटिलता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब औपचारिक गोद लेने की प्रक्रिया कठिन और लंबी होती है, तो अवैध नेटवर्क को प्रोत्साहन मिलता है, जिसके माध्यम से बच्चे तस्करी का शिकार बनते हैं। यह समस्या दर्शाती है कि कानूनी ढांचा तब तक प्रभावी नहीं हो सकता, जब तक कि वह व्यावहारिक और सुलभ न हो। प्रशासनिक तंत्र में कई स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों पर समय पर कार्यवाही नहीं होती। कई मामलों में पुलिस प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में यह मान लेती है कि बच्चा स्वयं लौट आएगा, जिससे खोज के शुरुआती महत्वपूर्ण घंटे व्यर्थ चले जाते हैं। राज्यों के बीच समन्वय का अभाव लापता बच्चों की तलाश को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं व विभिन्न पोर्टल मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभाव जमीन पर नहीं दिखता। यह समस्या दर्शाती है कि केवल नीतियां बना देना पर्याप्त नहीं है।

अब हमारी जेब पर भी डाका डालने लगी जहरीली हवा

(संजीव बजाज)

पिछले मंगलवार की सुबह मेरे दोस्त का गुरुग्राम से फोन आया। चिंतित आवाज में उसने कहा, 'बेटी को फिर से अस्पताल ले जा रहा हूं। इस महीने यह तीसरी बार है।' उसकी सात साल की बेटी रात भर खांसती रही। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जहरीली हवा से सांस के 'इन्फेक्शन' का मामला था। मैंने फौरन अपना फोन चेक किया, तो एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 503 दिखा। एक्यूआई का यह स्तर अब आपात स्थिति के बजाय सालाना 'हेडलाइन' जैसा लगता है।

अक्सर जब हम वायु प्रदूषण की बात करते हैं, तो सिर्फ सेहत के पहलू पर ध्यान देते हैं, लेकिन एक और संकट चुपचाप सामने आ रहा है और यह संकट भारतीय घरों की वित्तीय मजबूती में सेंध मार रहा है।

गौर कीजिए, अकेले सितंबर महीने में देश के अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों के बीमा दावों में लगभग नौ प्रतिशत वायु प्रदूषण संबंधी रोगों से जुड़े थे। इनमें दस साल से कम उम्र के बच्चों का हिस्सा 43 प्रतिशत था। सांस संबंधी रोगों के इलाज का खर्च साल-दर-साल 11 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दिल से जुड़ी बीमारियों के मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की दर में छह फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अगर बीमा दावों का औसत निकालें, तो लगभग 55,000 रुपये प्रति मरीज बैठता है, जो दिल्ली में कई मध्यवर्गीय परिवारों के लिए एक बड़ा बोझ है। जहां सालाना प्रतिव्यक्त आय लगभग 4.5 लाख रुपये बैठता है। जाहिर है, यह एक ऐसे शहर में सांस लेने की कीमत है, जिसकी आबोहवा जहरीली होती जा रही है। परिवार सिर्फ बीमारी से नहीं लड़ रहे; वे बढ़ती हेल्थकेयर महंगाई से भी जूझ रहे हैं।

जैसे-जैसे सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं, स्वास्थ्य बीमा कंपनियां चुपचाप 'रिस्क पूल' का नए सिरे से नियमन कर रही हैं और ऐसे कवरेज विकल्प बढ़ा रही हैं, जो बचाव और लंबे समय के स्वास्थ्य-प्रबंधन पर जोर देते हैं। ऐसी बीमा पॉलिसियों की डिमांड बढ़ रही है, जो भर्ती होने से आगे बढ़कर ओपीडी में दिखाने, नियमित चेक-अप और देखभाल सपोर्ट को कवर करती हों। दूसरे शब्दों में, संरक्षण 'रिएक्टिव' से 'प्रोएक्टिव' हो रहा है। शहरी परिवारों के लिए, खासकर दिल्ली-एनसीआर में एक अच्छा स्वास्थ्य बीमा एयर प्यूरीफायर जितना ही जरूरी हो गया है।

खराब हवा का असर हॉस्पिटल बिल से कहीं ज्यादा होता है। जैसे, दीपावली के बाद 'हेल्थ क्लेम' आमतौर पर करीब 14 प्रतिशत बढ़ जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अनेक परिवारों को प्यूरीफायर, एन95 मास्क और बार-बार डॉक्टर से दिखाने पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये ऐसे खर्च हैं, जो एक दशक पहले घर के बजट का हिस्सा नहीं थे। सबसे बड़ी बात, ये विलासिता के नहीं; जान बचाने के खर्च हैं। ऐसे में, वित्तीय सलाहकार, बीमा कंपनियां परिवारों को न सिर्फ मुश्किलों का सामना करने में मदद कर सकती हैं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार रहने का एक फ्रेमवर्क भी सुझा सकती हैं।

यह गौर करने की बात है कि प्रदूषण से जुड़े बीमा दावे 2022 में 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में नौ फीसदी हो गए हैं। इस ट्रेंड को नकारा नहीं जा सकता। अगर हम अभी कदम नहीं उठाते, तो एक ऐसी अर्थव्यवस्था में जोखिम ही उठा रहे होंगे, जिसमें हर सांस की कीमत होने वाली है। मगर उम्मीद है। वित्तीय संस्थान स्वच्छ ऊर्जा, शहरी हरियाली और टिकाऊ आवास में पूंजी लगा सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा सिर्फ रोगों के इलाज नहीं, बल्कि उनकी रोकथाम का भी सहारा बन सकता है। और एक इंसान के तौर पर हम वायु गुणवत्ता को अपने जीने, निवेश करने और बीमा भुगतान का एक फैक्टर बना सकते हैं। जब मेरे दोस्त ने कहा कि मैं अब इस शहर से निकलने के बारे में सोच रहा हूं, तो उसने वही कहा, जो अनेक परिवार शिद्दत से महसूस करते हैं। लेकिन शहर बदलना अकेला जवाब नहीं होना चाहिए। हमें मिलकर बदलाव की जरूरत है, क्योंकि जब एक्यूआई 400 के पार जाता है, तो सिर्फ फेफड़ों को ही नुकसान नहीं होता; बल्कि घरों की 'बैलेंस शीट' को भी नुकसान होता है। और स्मॉग के उलट माली नुकसान अपने आप ठीक नहीं होता। इसके लिए जागरूकता, जरूरी कदम और इनोवेशन की जरूरत होती है। (लेखक उद्यमी है-ये लेखक के अपने विचार हैं)

24 नवम्बर 2006 - स्वामी सत्यानन्द सरस्वती का निधन

गौरक्षा से लेकर राम मंदिर निर्माण तक हर आँदोलन में सहभागी : केरल में सनातन परंपरा प्रतिष्ठित करने का संघर्ष

रमेश शर्मा

स्वतंत्रता के बाद भी भारत में स्वत्व, सनातन परंपरा और भारत राष्ट्रत्व की पुनर्प्रतिठा का संघर्ष कम नहीं हुआ। भारत के विभिन्न प्राँतों में अनेक ऐसी शक्तियाँ हैं जिनमें कोई वैचारिक साम्य नहीं लैकिन सनातन के विरुद्ध एकजुट रहती हैं। इसकी स्पष्ट झलक केरल प्राँत में है जहाँ मुस्लिम लीग, वामपंथी और मिशनरीज एकजुट होकर रूपांतरण के अभियान में सक्रिय हैं। स्वामी सत्यानंद जी सरस्वती ऐसे ही संन्यासी थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन इस गठबंधन के बीच सनातन परंपराओं को पुनर्प्रतिठित करने में समर्पित कर दिया ।

ऐसे ही क्राँतिकारी संत स्वामी सत्यानन्द सरस्वती का जन्म 22 सितम्बर 1033 को केरल प्राँत के तिरुअनन्तपुरम् के अंतर्गत ग्राम अण्डुरकोणम् में हुआ । परिवार ने उनका नाम शेखरन् पिल्लई रखा। उनका परिवार सनातन परंपराओं के लिये समर्पित था । घर में संस्कृत और मलयालम दोनों भाषाओं का वातावरण था । उनकी आरंभिक शिक्षा अपने गाँव में ही हुई। आगे की शिक्षा केलिये तिरुवनंतपुरम आये । शिक्षा पूरी कर के तिरुवनंतपुरम के माधव विलासम् हाई स्कूल में शिक्षक हो गये। वे बहुत मुग्धता से पढ़ाते थे । अपने विषयों के साथ भारतीय सनातन परंपरा की वैचारिकता और वैश्विकता के बारे में भी समझाते थे ।

यह समय भारतीय स्वतंत्रता के बाद का आरंभिक काल था । भारत स्वतंत्रता तो हो गया था लेकिन सल्तनतकाल और अंग्रेजीकाल में जो शक्तियाँ भारतीय समाज के रूपांतरण के लिये सक्रिय थीं, केरल में उनका काम यथावत चल रहा था । एक ओर छद्म सेकुरिस्ट थे, कहने केलिये इन्हें नास्तिक कहा जा सकता है लेकिन उनका उद्देश्य केवल सनातन परंपरा के दोष गिनाकर समाज को उसकी जड़ों से दूर करना था । वे अपने कुतर्कों से सनातन नौजवानों में भटकाव पैदा करने के अभियान में लगे थे तो दूसरी ओर कुछ कट्टरपंथी उलेमा एवं मिशनरीज सनातन अनुयायियों को अपने पंथ में रूपान्तरित करने का अभियान चला रहे थे । यद्यपि ये तीनों धाराएँ अलग हैं पर केरल में लगता था इन तीनों प्रकार की शक्तियों में कोई आंतरिक तालमेल हो । एक ओर यह कुचक्र बहुत तेज था लेकिन दूसरी ओर सनातन समाज में आंतरिक मतभेद बहुत थे, अनेक प्रकार के विभाजन थ । ऐसी शक्तियाँ कमजोर थीं जो सनातन को उसकी विशेषता समझाकर एकजुट कर सके । केरल के सामाजिक जीवन के ये दृश्य देखकर युवा शैखरन् पिल्लई का मन बहुत व्यथित रहने लग और इस समस्या के समाधान के लिये संतों से भी चर्चा करते ।

समय के साथ उनका संपर्क तिरुवनंतपुरम में स्वामी रामदास आश्रम से बना और वे 1964 में विधिवत दीक्षा लेकर आश्रम से जुड़ गए। शेखरन पिल्लई 1966 में हुये इतिहास प्रसिद्ध गौरक्षा आँदोलन के सहभागी बने । लौटे तो केवल शिक्षक न रहे । संन्यास लेकर पूरी तरह सनातन सेवा में लग गये । सन्यास के बाद अब उनका नाम स्वामी सत्यानंद सरस्वती हुआ। संन्यासी के रूप में पूरे केरल प्राँत की पदयात्रा की और पूरे सनातन समाज को एकजुट का अभियान चलाया। इसके लिये केरल में हिन्दू ऐक्य वेदी नामक संगठन तैयार किया और वे संगठन के अध्यक्ष बने । वे बहुत अध्ययनशील थे । इतिहास, संस्कृति और आध्यात्म उनके प्रिय विषय थे । उनके प्रखर भाषणों, तर्कपूर्ण विश्लेषणों से समाज में नई ऊर्जा और एकत्व का संचार हुआ । 1970 के बाद केरल राज्य में विभिन्न हिन्दू संगठनों को एकसूत्र में बाँधने में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। सामाजिक जागरण के लिये सभा संगोष्ठियों के साथ पुण्यभूमि नामक एक दैनिक समाचार पत्र का प्रकाशन भी आरंभ किया और वे इसके सम्पादक बने। स्वामी जी आयुर्वेद और वनस्पति के औषधीय गुण के भी जानकार थे । उन्होंने हर्बल कोला नामक एक स्वास्थ्यवर्धक पेय बनाया जो अपने समय में बड़ा लोकप्रिय हुआ। उन्होने श्री राम दास मिशन की भी स्थापना की। वे ज्ञान योग, भक्ति योग, राज योग, तथा कर्म योग आदि आध्यात्मिक विषयों पर अद्भुत व्याख्यान देते थे ।

स्वामी जी श्री रामदास आश्रम चेंगोट्टूकोणम (तिरुअनन्तपुरम्) के पीठाधिपति बने । समय के साथ विश्व हिंदू परिषद से जुड़े और विश्व हिन्दू परिषद के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य रहे। उन्होंने देश विदेश में अनेक रामदास आश्रमों की स्थापना की। यंग मैन्स हिन्दू ऐसोसियेशन तथा मैथिली मण्डलम् से उन्होंने बड़ी संख्या में हिंदू परिवारों को जोड़ा। समय के साथ अयोध्या मे राम मंदिर आँदोलन से जुड़े और अयोध्या से अनेक विद्वानों को केरल आमंत्रित कर केल की राजधानी तिरुअनन्तपुरम् में प्रतिवर्ष रामनवमी मेले की परंपरा आरंभ की ।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण आंदोलन की प्रत्येक कारसेवा में स्वामी जी केरल से संतों और रामभक्तों का बड़ा समूह लेकर सहभागी हुये । अपना पूरा जीवन स्वत्व, संस्कार और सनातन परंपराओं को पुनर्प्रतिठित करने केलिये समर्पित रहा । करने वाले स्वामी सत्यानन्द सरस्वती जी ने 73 वर्ष की आयु में 24 नवम्बर 2006 को अपना शरीर त्याग दिया। उनकी स्मृति मेः तिरुवनंतपुरम स्थित उनके आश्रम में मेला लगाता है । इस आश्रम मेः उनके ग्रंथों की पांडुलिपियाँ सुरक्षित हैं ।

सुप्रसिद्ध गायिका अलका चंद्राकर ने दी प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल द्वारा संगीत संध्या का आयोजन

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना की स्थापना के समय से संचालित छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल किरंदुल के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के अवसर और एनएमडीसी के स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्मों की नम्बर वन पार्श्व गायिका तथा सुप्रसिद्धलोक गीत एवं जसगीत की मशहूर गायिका अलका परगनिहा चंद्राकर की फुलवारी लोककला मंच रायपुर की रंगारंग प्रस्तुति का कार्यक्रम एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के के आर सी वन में हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक के पी सिंह, महाप्रबंधक खनन एस के कोचर, किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, पूर्व पालिकाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह, मुख्य नगर पालिका अध्यक्ष शशि भूषण महापात्र, बैलाडीला प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र सक्सेना ने छत्तीसगढ़ी महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात अतिथियों के द्वारा संघ के कलाकारों के साथ साथ गायिका अलका चंद्राकर के साथ आई टीम के कलाकारों का एवं छत्तीसगढ़ राज्य की मशहूर गायिका अलका परगनिहा चंद्राकर का भी अतिथियों के करकमलों से सम्मान किया गया।इस दौरान छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, सचिव पी एल साहू, बी एल तारम, पतिराम बघेल, ओम साहू, टीकम साहू सहित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति रहीं।मंच संचालन सुविख्यात संचालक बी एल तारम ने किया।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू बनाने किरन्दुल में कर्मचारी जुटे

किरंदुल। मतदाता सूची गहन पुनिरिक्षण एसआईआर कार्य हेतु दंतेवाड़ा जिले में प्रशासनिक अमला जुटा हुआ हैं।इसी परिप्रेक्ष्य में किरन्दुल वार्ड क्रमांक 11 चीता कॉलोनी में सोमवार बीएलओ एवम टीम घर घर जाकर एसआईआर फॉर्म भरने की आवश्यक जानकारी दी गई।साथ ही एसआईआर फॉर्म क्यों जरूरी है।मतदाता सूची में नाम जोड़ना, पुरानी जानकारी में सुधार/परिवर्तन, पते में बदलाव, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनती हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया और भी पारदर्शी होती हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया देशभर के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही हैं। स्थानीय नागरिकों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन SIR फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना आवश्यक है, ताकि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट ना जाए।यह शिविर क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रहा है। इस कार्यक्रम में बीएलओ बलराम सिंह ठाकुर, थैलेश ठाकुर, प्रियंका जाल, प्रीति कुंजाम, रामदेई बाघ रीना उपस्थित रहे।

डीएवी किरंदुल में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला संपन्न

किरंदुल। डीएवी कालेज प्रबंधन समिति नई दिल्ली द्वारा निर्देशित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला के द्वितीय चरण का सफल आयोजन 23 नवंबर रविवार विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ जोन के विद्यालयों के नर्सरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी वर्गों तक के 199 शिक्षक 31 मास्टर ट्रेनर एवं 12 प्राचार्य ने ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव द्वारा सभी समन्वयकों, प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया गया उन्होंने कहा विद्यालय के भवन को शिक्षक के निर्माण करते हैं एवं शिक्षक ही विद्यालय की आत्मा होते हैं साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्यों और गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उक्त कार्यशाला में शिक्षण कौशल बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण, विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास विकसित करने वाली गतिविधियां , नर्सरी और प्राइमरी वर्ग के लिए रोचक शिक्षण विधियां, उच्च कक्षाओं के लिए विषयगत सामग्री तथा नवाचार आधारित गतिविधियां , विद्यार्थियों की उपलब्धियां बढ़ाने हेतु रणनीतियां आदि विभिन्न विषयों में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया एवं प्राचार्य के द्वारा सभी प्रशिक्षकों और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बस्तर यूनिटी मार्च, बकावंड के करीतगांव से हुआ प्रारंभ

मालगांव, ईरिकपाल और जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रम

जगदलपुर। खेल एवं युवा कल्याण, विभाग द्वारा जिला बस्तर में एकता मार्च (यूनिटी मार्च)का आयोजन सोमवार को विकासखण्ड बकावंड के ग्राम पंचायत करीतगांव से प्रारंभ किया गया जिसका समापन टाउन क्लब जगदलपुर के प्रागण में किया जाएगा। भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बस्तर में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप ने देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद गृह मंत्री के रूप में 562 रियासतों को मिलाकर अखण्ड भारत बनाया और समूचे देश को एकता के सूत्र में पिरोया। देश के इस महापुरुष की 150 वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में

यूनिटी मार्च आयोजित करने का पहल किया गया है। जिससे उनके विचार एवं आदर्शों के सन्देश को जन-जन तक पहुंचाएं और सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित किया जा सके। लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती समारोह के अवसर पर आत्म निर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने के साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लें। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने रियासतों के एकीकरण के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव मजबूत की। यूनिटी मार्च के जरिए उनके विचारों को आगे बढ़ाने और समाज में एकजुटता, सहयोग और भाईचारे का संदेश देने की अपील की गई। कार्यक्रम में विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप, बस्तर, तोकापाल, बकवंड जनपद पंचायत के अध्यक्ष व जिला पंचायत के सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम को नगर निगम सभापति खेम सिंह देवांगन, जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश पांडेय ने भी अपने विचार रखे । मार्च की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई, जहां प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और विकास के संकल्प के साथ कदम बढ़ाए। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है । खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रभारी एवं अपर कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी ने बताया कि एकता मार्च विकासखण्ड बकावंड के ग्राम पंचायत करीतगांव के मिनी स्टेडियम से प्रारंभ होकर मालगांव पहुंचेगा। मालगांव में मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाएगा, इसके उपरांत पदयात्रा ईरिकपाल पहुंचेगा। इसके बाद ईरिकपाल से रवाना होकर जगदलपुर शहर से होते हुए दंतेश्वरी मंदिर के समीप रूद्र प्रताद देव टाउन क्लब प्रागण में सभा के रूप में समाप्त होगा।

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा हेतु जारी किए कड़े निर्देश

रायपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा Suo Moto Writ Petition (Civil) No. 05/2025 में दिए गए स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अनुपालन में तथा छत्तीसगढ़ शासन, पशुधन विकास विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर के पत्र क्रमांक श्व-166671 × 153108/LAW-42/1802/ 2025/1724 दिनांक 13.11.2025 के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अब राज्य के प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य या संस्था प्रमुख को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। नोडल अधिकारी की यह जिम्मेदारी होगी कि स्कूल परिसर या आसपास यदि आवारा कुत्ते दिखाई दें, तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगर निगम के डॉग क्रैचर नोडल अधिकारी को दें। साथ ही स्कूल परिसर में कुत्तों का प्रवेश रोकने के लिए आवश्यक अवरोधक उपाय सुनिश्चित करें। यदि किसी बच्चे के साथ आवारा कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटना होती है, तो बच्चे को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की होगी, ताकि आवश्यक प्राथमिक इलाज समय पर उपलब्ध कराया जा सके। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का उद्देश्य प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों के लिए सुरक्षित, भय-मुक्त और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप तथा पशुधन विकास विभाग के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे प्रदेश में तेजी और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के अधिकारियों, बीईओ, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कूल प्रबंधन समितियों से अपेक्षा की है कि वे इन दिशा-निर्देशों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

किरंदुल पालिका अध्यक्ष ने पुनरीक्षण फॉर्म को समय से जमा करने की अपील की

किरंदुल। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान को प्रभावी बनाने के किरंदुल पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं सीएमओ शशि भूषण महापात्र ने सोमवार लोगों से संपर्क किए एवं उन्होंने किरंदुल क्षेत्र के सभी वार्डो में भ्रमण कर वार्डवासियों को आवश्यक जानकारी दी। पालिका अध्यक्षा ने वार्डो में उपस्थित जनता को बताया कि गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी प्रक्रिया हैं, जिसमें प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को विस्तार से समझाया कि नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन कराने, गलतियों को सुधारने तथा पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के लिए फॉर्म कैसे भरे जाते हैं और कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर जागरूकता की कमी या जानकारी न होने के कारण कई लोगों के नाम छूट जाते हैं, जिससे मतदान के समय उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। यही कारण है कि पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लेना आवश्यक हैं।

बस्तर की बेटी सुभद्रा कश्यप ने राष्ट्रीय एकलव्य स्पोर्ट्स मीट में रचा इतिहास

जगदलपुर। बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गढ़िया की कक्षा 8 वीं की होनहार छात्रा सुभद्रा कश्यप ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सुभद्रा ने हाल ही में ओडिशा के सुंदरगढ़ में आयोजित चौथे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्पोर्टस मीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शतरंज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गढ़िया लोहण्डीगुड़ा की इस प्रतिभाशाली बालिका ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसकी निर्णायक चालों और एकाग्रता ने उसे पोडियम के शीर्ष पर पहुँचाया। संस्था प्रमुख ऊषा शुक्ला ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा सुभद्रा ने न केवल अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि उसने यह भी साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। उसकी यह जीत क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। सुभद्रा कश्यप की यह सफलता बस्तर के ग्रामीण और आदिवासी बहुल क्षेत्र की अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा का नया स्रोत बन गई है। एक छोटे से क्षेत्र की बालिका का राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना यह दर्शाता है कि सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर ये बच्चे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ राज्य और पूरे बस्तर संभाग के लिए गौरव का विषय है।

जिला स्तरीय पशु मेला का आयोजन 26 नवम्बर को ग्राम तेलावट में

कांकेर। पशुधन विकास विभाग के तत्वाधान में जिला स्तरीय पशु मेला उत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन 26 नवम्बर बुधवार को दोपहर 12 बजे से कांकेर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत तेलावट में किया जाएगा। उक्त पशु मेला के मुख्य अतिथि कांकेर विधायक आशाराम नेताम होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, जिला पंचायत के अध्यक्ष किरण नरेटी, उपाध्यक्ष तारा ठाकुर, जिला पंचायत के कृषि स्थायी समिति के सभापति दिपांकर राय एवं जिला पंचायत सदस्य मृदुला भास्कर, जनपद पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े, उपाध्यक्ष तारिणी ठाकुर, जनपद पंचायत कृषि स्थायी समिति कांकेर के सभापति राजेशवरी नेताम और जनपद सदस्य नीतेश सलाम उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच लक्ष्मी चिराम द्वारा की जाएगी।

दक्षिण क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 26 नवम्बर से

कांकेर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र सिंगारभाट कांकेर में 26 से 29 नवम्बर तक दक्षिण क्षेत्रीय अंतर महाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. (कर्नल) गिरीश चंदेल तथा कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर मौजूद रहेंगे।

जिला स्तरीय दो दिवसीय बस्तर ओलंपिक सम्पन्न, गीदम ब्लॉक ओवरऑल चैंपियन

दंतेवाड़ा। जिले में पारंपरिक खेलों के संरक्षण और युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का सफल समापन हुआ। चारों विकासखंडों गीदम, कटेकल्याण, कुआँकोंडा और दंतेवाड़ा के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गीदम विकासखंड ने ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर जिले के खेल इतिहास में एक और उपलब्धि दर्ज की। समापन अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप पारंपरिक खेलों को नई पहचान मिल रही है और ग्रामीण युवाओं के लिए यह आयोजन एक बड़ा मंच बनकर उभरा है। विधायक ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जिले के खिलाड़ी अब जिला स्तर से आगे बढ़कर संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे और संभाग में जीतकर दंतेवाड़ा जिले का नाम और अधिक रोशन करेंगे। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व गुण विकसित होते हैं और इन्हीं मूल्यों के साथ जिले में खेल संस्कृति लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों की संख्या बढ़ाने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जा रही हैं। दो दिनों तक चले इस महाआयोजन में खो-खो, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी, हॉकी, कराटे, बैडमिंटन और रस्साखींच जैसी कुल 11 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें खिलाड़ियों का जोश और खेल कौशल दर्शकों का ध्यान आकर्षित करता रहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मैदानों में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और पारंपरिक खेलों की ऊर्जा देखने को मिली।कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान प्राईस सपोर्ट स्कीम के तहत खरीफविपणन वर्ष 2025-26 एवं रबी वर्ष 2026-27 उपार्जन के लिए अवधि निर्धारित

बिलासपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) के तहत प्राईस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिसूचित फसलें अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन एवं रबी विपणन वर्ष 2026-27 हेतु अधिसूचित फसलें चना, मसूर एवं सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्राथमिक सहकारी समिति (पैक्स) के माध्यम से उपार्जन किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रदेश के किसानों से एकीकृत किसान पोर्टल में अपने फसल रकबे का पंजीयन कराने की अपील की है। खरीफ फसलें मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की उपार्जन अवधि 01 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 एवं अरहर फसल हेतु 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 है तथा रबी फसलें सरसों हेतु उपार्जन अवधि 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 एवं चना, मसूर फसल हेतु उपार्जन अवधि 01 मार्च 2026 से 30 मई 2026 है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि खरीफ फसलें अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन के उत्पाद के विक्रय हेतु अपने नजदीकी सहकारी समितियों में जाकर एकीकृत किसान पोर्टल में अपने फसल रकबे का अनिवार्य रूप से पंजीयन करावें। अधिक जानकारी हेतु कृषि विभाग के मैदानी अमले एवं उप संचालक कृषि से संपर्क करें।

नगर में विद्युत पोल के बीच केबल, तारों के जाल में फंसकर विद्युत व्यवस्था चरमराई

बिलासपुर। नगर में जहाँ तहाँ बीच-बीच में बीच मुख्य सड़कों पर बिजली के खंभों पर लगे केबल व तारों के मकड़जाल बिजली व्यवस्था का मुंह चिढ़ा रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद कुछ दिनों तक तारों को व्यवस्थित किया गया है, लेकिन दोबारा शहर की सड़कों पर एक बार फिर केबल और तार दिखाई देने लगे है। बिजली के ढीले तार, उलझे हुए तारों के कारण आए दिन शॉर्ट सर्किट और आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ दिनों में शहर के कई हिस्सों जैसे महाराणा प्रताप चौक, लिंक रोड, व्यापार विहार, मंगला, मसानगंज, जूनी लाइन, तालापारा, जूना बिलासपुर और सरकंडा क्षेत्र में तारों के जाल दिखाई दें रहे हैं। इसके चलते शॉर्ट सर्किट की घटनाएं सामने आती हैं। ज्यादातर खंबों में लैंड लाइन, टीवी केबल, फाइबर केबल के जाल हैं। वहीं पुराने और जर्जर तारों का भी उचित प्रबंधन नहीं किया गया है। कुछ माह पहले कोर्ट के निर्देश के बाद बिजली अधिकारियों ने केबल हटाया था, लेकिन एक बार फिर शहर की सड़कों पर केबल व तारों के जाल दिखने लगे है। ठोस योजना नहीं जानकारों के मुताबिक कुछ साल पहले स्मार्ट सिटी के तहत सड़कों पर फैले तारों के जालों को व्यवस्थित करने की योजना बनाई गई थी लेकिन यह ठंडे बस्ते में जा चुकी है। भूमिगत केबलिंग जैसी योजनाएं भी केवल प्रस्तावों तक सिमटी हुई है।

सुरेश सिंह बैस धरा वंदन ने उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान से सम्मानित किया

बिलासपुर। धरा वंदन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति मंच द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन व कवि सम्मेलन में नगर के विख्यात व वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश सिंह बैस को उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित करते हुए इन्हें सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र व तिरंगे में लिपट जाऊं नामक साहित्य पत्रिका भेंट की गई। ज्ञात हो तिरंगे में लिपट जाऊं पुस्तक में श्री बैस के सृजन को सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनय मोहन पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी प्रवीण झा, प्रीति जैन, रमेश चंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित कमलेश लवहात्रे, अमृत पॉपुला व प्रभात गुप्ता ने इन्हें सम्मान के लिए अपनी शुभकामनाएं दी है। ज्ञात हो इस समारोह में शौर्य और वीर रस से ओतप्रोत रचनाओं का अनेक कवियों ने वाचन कर उपस्थित माहौल को वीर रस से सरोबार कर दिया। समारोह सुबह 11:00 से सायं 5:00 बजे समाप्त हुआ। कार्यक्रम में अनेक प्रदेशों से आए हुए कवियित्री, कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

ट्रेलर से डीजल चोरी करते दो युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। नेशनल हाइवे में खड़े ट्रेलर से डीजल चोरी करते स्कार्पियो सवार दो युवकों को ट्रेलर के ड्राइवरों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।रतनपुर थाना प्रभारी कमलेश बंजारे ने बताया, परसदा निवासी सुरेन्द्र कैवर्त रात में नेशनल हाइवे ङ्क खैरखंडी में सड़क किनारे ट्रेलर खड़े कर सो गए थे। वहीं आसपास अन्य भारी वाहन खड़े हुए थे। देर रात स्कार्पियो से दो युवक आए और उनके ट्रेलर की टंकी का लाक तोड़कर पाइप डालकर डीजल चोरी करने लगे। इसी दौरान गाड़ी में सो रहे ड्राइवर को भनक लग गई। उसने अन्य गाड़ियों के ड्राइवरों के साथ मिलकर डीजल चोरी करते परसदा निवासी विजय कुमार केंवट, शनि कुमार केंवट को पकड़ लिया।

कलेक्टर ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

सेवानिवृत्त सचिवों ने अंशदायी पेंशन के लिए लगाई गुहार

■ पूर्व सरपंच पर अवैध कब्जे की शिकायत, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। जनदर्शन में आज लगभग 50 आवेदन प्राप्त हुए। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार और सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज बेलगहना तहसील के ग्राम मोहली के मानसिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने शासकीय भूमि पर पूर्व सरपंच रामलाल द्वारा किये गये अवैध कब्जे के विरूद्ध शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि श्री रामलाल ने पटवारी से सांठगांठ कर कई एकड़ शासकीय भूमि अपने नाम करवा लिया है। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ कोटा को जांच करने के निर्देश दिए। बिलासपुर निवासी प्रतीक साहू ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर कहा कि वे 70 प्रतिशत विकलांग है। आर्थिक रूप से वे कमजोर है और जीवन यापन के लिए उनके पास कोई स्थायी साधन नहीं है। उन्होंने शासन की विकलांग पेंशन योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने उनके ज्ञापन को समाज कल्याण विभाग को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। आज ग्राम पंचायत दरीघाट के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर दरीघाट पुराने पुल से नेशनल हाईवे तक रोड़ मरम्मत करने या नवीनीकरण कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि दरीघाट में पुराने पुल से एनएच तक की रोड़ अत्यंत जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों को भी कठनाईयों का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर ने मामले को पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन अभियंता को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सेवानिवृत्त सचिव श्री टाईम लाल कौशिक सहित आधा दर्जन सचिवों ने कलेक्टर से अपने अंशदायी पेंशन की राशि दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन सीईओ जनपद पंचायत को सौंपते हुए इस पर कार्यवाही के निर्देश दिए। मस्तुरी ब्लॉक के हरवंश लाल जगत ने घर में आग लगने से हुए क्षति के लिए कलेक्टर से मुआवजा राशि प्रदान करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना से लगभग 1 से 2 लाख रूपये का सामान जल गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। कलेक्टर ने एसडीओ मस्तुरी को इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में रकबा संशोधन, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे ज्यादातर आवेदन लोगों ने दिए।

मतदाता गहन पुनरीक्षण में शत प्रतिशत डिजिटाईजेशन 9 बीएलओ सम्मानित...

बिलासपुर। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में शत प्रतिशत डिजिटाईजेशन व उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टर कार्यालय में आज 9 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने पर बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के बोहरडीह मतदान केंद्र से रेखा शर्मा, कोटा विधानसभा क्षेत्र के अमने गांव से त्रिवेणी जायसवाल, बिल्हा विधानसभा क्षेत्र की गंगा महिलांगे, मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र के पत्थरताल से सरोजनी सिंह, बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के तारबहार से आशीष निर्मलकर, बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के गोढ़ी से संध्या गेंदले, तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के बघेलकापा से रेणु खाण्डे, मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र के लिमतरा से धरम श्रीवास एवं तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के बेलपान से दशमत ध्रुव को सम्मानित किया। इन सभी बीएलओ ने मतदाता पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना पत्रक वितरण, पत्रक भरवाने, प्राप्त फॉर्म की पूर्ण संग्रहण और उनके ऑनलाईन एंट्री जैसे महत्वपूर्ण चरणों को दक्षता और समयबद्धता के साथ शत प्रतिशत पूरा किया। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में मतदाता सूची का सटीक पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए आवश्यक है। बीएलओ के मेहनत और समर्पण से मतदाता सूची में सुधार संभव हो रहा है। इन सभी बीएलओ द्वारा किया गया योगदान विशिष्ट और सराहनीय है।

डिजिटल सुविधाओं से धान खरीदी प्रक्रिया हुई आसान

■ ऑनलाईन टोकन व्यवस्था से किसानों को धान बेचने में हो रही सुविधा

बिलासपुर। जिले में धान खरीदी ने रफ्तार पकड़ ली है धान विक्रय होने के बाद त्वरित रूप से किसानों के खाते में भुगतान भी किया जा रहा है जिससे किसान काफी खुश हैं। जिले के तखतपुर विकासखण्ड के धान उपार्जन केंद्र सेंदरी पहुंचे ग्राम अमतरा के किसान धनीराम देवांगन को धान बेचने के बाद त्वरित रूप से 1 लाख 91 हजार रूपए की राशि खाते में आ गई। उन्होंने बताया कि टोकन कटाने से लेकर भुगतान प्राप्त करने में उन्हें किसी तरह की समस्या नहीं हुई। इस त्वरित व्यवस्था से वे काफी खुश है,उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों का जीवन अब संवर रहा है। बिल्हा विकासखंड के सेंदरी धान उपार्जन केंद्र पहुंचे ग्राम अमतरा के किसान श्री धनीराम देवांगन ने बताया कि वे 6 एकड़ में खेती करते है

और इस वर्ष उन्होंने 140 क्विंटल धान बेचा। धान बेचने की पूरी प्रक्रिया में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि धान बेचने के बाद 5 दिन के भीतर उनके खाते में राशि का हस्तांतरण कर दिया गया है। बोनस राशि का भुगतान भी कुछ समय बाद मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा किसानों के हित में लाई गई अनेक योजनों से किसानों को काफी लाभ मिल रहा है,खेती करना अब लाभदायक बन चुका है। उन्होंने बताया कि उन्हें किसान सम्मान निधि का लाभ भी मिल रहा है। सरकार की यह मदद छोटे किसानों के लिए बड़ा सहारा है।

बैंक में बंधक मकान सौदा कर 40 लाख की ठगी,दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थानाक्षेत्र में दो लोगों के द्वारा एक व्यक्ति को बैंक में बंधक मकान को दिखाकर उसका बिक्री ईकरारनामा तैयार कर उससे 40 लाख रूपये ले लेने तथा रजिस्ट्री नही कर धोखाधड़ी करने की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बिना नामांतरण कराये बैंक में बंधक मकान को बिक्री करने का सौदा किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अजीत शुक्ला पिता जे.एल. शुक्ला उम्र 57 वर्ष निवासी सूर्या विहार सरकण्डा का दिनांक 22.11.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका परिचय दिनेश प्रताप सिंह के साथ है जिससे भेंट मुलाकात होते रहता था, परिचय होने के कारण दिनेश प्रताप सिंह ने अप्रैल 2024 में भास्कर त्रिपाठी नामक व्यक्ति से अपने निवास में मिलवाया जिसने बताया कि वह एसईसीएल कोरबा में कार्यरत् है जिसका मकान विवेकानंद नगर मोपका में है जिसे वह बिक्री करना चाहता है, जिसे देखने के बाद मैंने खरीदी करने का ईच्छा जताया तब भास्कर त्रिपाठी ने उक्त मकान को बिक्री करने के लिए मुझसे 50 रूपये के स्टाम्प पेपर में दिनांक 26.04.2024 को इकरारनामा तैयार कराया जिसमें 3 माह के भीतर रजिस्ट्री कराने का उल्लेख था। उक्त इकरारनामा में दिनेश प्रताप सिंह एवं अरूण सिंह ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर किए, इकरारनामा होने के बाद भास्कर प्रसाद त्रिपाठी को 36 लाख रूपये ऑनलाईन दिया गया, किन्तु भास्कर त्रिपाठी ने रकम लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराया, समय अवधि समाप्त होने पर भास्कर त्रिपाठी और दिनेश प्रताप सिंह दोनो मिलकर 40 लाख रूपये का लेनदेन का फर्जी इकरारनामा तैयार कर लिया। बाद में पता चला कि भास्कर त्रिपाठी का उक्त मकान बैंक में बंधक है जिसकी जानकारी दिये बिना ही दिनेश प्रताप सिंह एवं भास्कर प्रसाद त्रिपाठी मिलकर बिना नामांतरण कराये बिक्री करने का का इकरारनामा तैयार कर रकम लेकर धोखाधड़ी किये हैं। प्रार्थी के उक् तिरपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया, घटना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किये जिनके निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) बिलासपुर श्री राजेन्द्र जायसवाल एवं सी.एस.पी (सिविल लाईन/सरकंडा) निमितेश सिंह के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी सरकण्डा निरीक्षक प्रदीप आर्य के नेतृत्व में टीम तैयार कर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसमें आरोपियों ने अपना जूर्म स्वीकार किया। जिससे आरोपियों को विधिवत् दिनांक 22.11.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

सिम्स में हाइडेटिड सिस्ट का पाँचवाँ सफल दूरबीन ऑपरेशन

■ लैप्रोस्कोपी से बनी बड़ी सर्जरी भी सुरक्षित, मरीज हुई जल्द स्वस्थ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने जटिल सर्जरी के क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी दर्ज की है। सर्जरी विभाग की टीम ने दूरबीन (लैप्रोस्कोपिक) तकनीक का उपयोग करते हुए लिवर में मौजूद 10 सेंटीमीटर के हाइडेटिड सिस्ट को सुरक्षित रूप से निकाल दिया। यह सिम्स में इस तरह की पाँचवीं सफल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी है। मुंगेली की 20 वर्षीय तीजन नेताम पेट में भारीपन, भूख कम लगना और असहजता की शिकायत के साथ सिम्स पहुंची। सोनोग्राफी और सीटी स्कैन में लिवर के दाहिने हिस्से में बड़ा हाइडेटिड सिस्ट पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिम्स प्रशासन के मार्गदर्शन में इसे दूरबीन पद्धति से ऑपरेट करने का फैसला लिया गया।

विशेषज्ञ टीम ने बिना जटिलता के पूरा किया ऑपरेशन

सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. राज के नेतृत्व में डॉ. रघुराज सिंह, डॉ. बी.डी. तिवारी और डॉ. प्रियंका माहेश्वर की टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. भावना रायजादा, डॉ. मिल्टन, डॉ. मयंक आगरे व पीजी रेजिडेंट्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने सटीक रिपोर्टिंग कर सर्जरी में अहम सहयोग दिया। ओटी स्टाफ सिस्टर योगेश्वरी, संतोष पांडे और अश्वनी मिश्रा का काम भी सराहनीय रहा। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की वजह सेबहुत कम चीरा लगा,रक्तस्राव लगभग नगण्य रहामरीज जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौट सकती है

क्या होता है हाइडेटिड सिस्ट?

यह एक परजीवी संक्रमण है, जो इकाईनोकोकस ग्रेन्यूलोसस (कुत्ता फीता कृमि) के कारण होता है। यह आमतौर पर लिवर और फेफड़ों को प्रभावित करता है। संक्रमण अक्सर दूषित पानी, संक्रमित भोजन, और कुत्तों-भेड़ों के संपर्क से फैलता है। मुख्य लक्षण - पेट दर्द, भारीपन, भूख कम लगना, जल्दी पेट भरने का एहसास इसके मुख्य लक्षण है। गहरे और बड़े सिस्ट लीवर की कार्यप्रणाली पर असर डालते हैं और फटने पर ऐनाफाइलैक्सिस जैसी जानलेवा स्थिति भी बन सकती है। स्वच्छ पानी, साफ भोजन और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत क्रीमनाशक दवाओं का सेवन कर इस रोग से बचाव किया जा सकता है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने की धान खरीदी एवं गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में आज विशेष रूप से धान खरीदी एवं मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य में अब तेजी आ गयी है। बिचौलियों एवं दलाल किस्म के लोग भी सक्रिय होकर योजना का नाजायज फायदा उठाने की फिराक में हैं। उनके मंसूबों पर पानी फेरने के लिए जांच टीम द्वारा लगातार कार्रवाई जारी रखा जाये। कलेक्टर ने बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने विशेषकर शहरी क्षेत्रों जैसे बिलासपुर एवं बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक मे नगर निगम आयुक्त अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने धान खरीदी के शुरूआती चरण में जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए ताकि एक दफा

सुव्यवस्थित हो जाये तो आगे अभियान सुचारू रूप से बढ़ सके। स्टेकिंग, कम्प्यूटर में एन्ट्री, बारदाने आदि की व्यवस्था को ठीक से रखा जाये। नोडल अधिकारी जिले के बड़े और जिम्मेदार अधिकारी हैं, सौंपे गये केन्द्र में बाद में किसी प्रकार की गड़बड़ी प्रकट हुई तो उनकी जिम्मेदारी एवं सहभागिता भी मानी जायेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी ध्यान में रखें कि संपूर्ण प्रक्रिया में असल किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने अनुकम्पा नियुक्ति मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर महीने तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के रिक्त पदों की जानकारी दी जाए ताकि जल्द अनुकम्पा नियुक्ति दी जा सके। उन्होंने सभी कार्यालय प्रमुखों को समय पर ऑफिस पहुंच कर काम करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि बड़े अधिकारी की कार्य संस्कृति और अनुशासन का निचले स्तर के अधिकारी अनुशीलन करते हैं, लिहाजा इसका वे विशेष ध्यान रखें। उन्होंने भू-अर्जन के प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण के निर्देश दिए ताकि प्रोजेक्टर कास्ट न बढ़े और समय पर परियोजना का लाभ लोगों को मिल सके। कलेक्टर ने बैठक में खनिजों के अवैध परिवहन एवं ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बंद हो चुकी शासकीय योजनाओं के बैंक खाते और उनमें जमा रकम को शासकीय खाते में इस माह के अंत तक जमा करने के भी निर्देश दिए।

स्कंद षष्ठी भगवान कार्तिकेय को समर्पित

मार्गशीर्ष महीने की स्कंद षष्ठी भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र भगवान कार्तिकेय को समर्पित पवित्र तिथि है। भक्त इस दिन उपवास रखते हैं, पूजा करते हैं और जीवन में आने वाली हर बाधा को दूर करने की प्रार्थना करते हैं। आइए जानते हैं इस दिन भगवान कार्तिकेय की पूजा क्यों की जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, षष्ठी तिथि पर भगवान कार्तिकेय ने असुरों का वध कर देवताओं की रक्षा की थी। इसी वजह से स्कंद षष्ठी का दिन "संकट-विनाशक" माना जाता है। यह तिथि विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ होती है जो जीवन में सफलता की कामना करते हैं। दक्षिण भारत में इसे बहुत धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन अब पूरे देश में इसका महत्व तेजी से बढ़ रहा है।

स्कंद षष्ठी 2025 में कब है?

तारीख : 26 नवंबर 2025 (बुधवार)
पंचांग के अनुसार इसी दिन मार्गशीर्ष मास की स्कंद षष्ठी मनाई जाएगी।

क्यों मनाई जाती है स्कंद षष्ठी?

यह दिन भगवान कार्तिकेय के जन्म और उनके वीरता-प्रदर्शन दोनों से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इसी तिथि पर उन्होंने दैत्य तारकासुर का वध कर धर्म की रक्षा की थी। इसलिए स्कंद षष्ठी को "धर्म-विजय का पर्व" कहा गया है।

इस दिन पूजा करने के लाभ

शास्त्रों में लिखा है कि इस दिन पूजा करने से शत्रुओं से रक्षा होती है, मन की शक्ति बढ़ती है, परिवार की सुरक्षा बनी रहती है।

धार्मिक महत्व

स्कंद षष्ठी को "शक्ति और विजय" का दिन माना जाता है। भगवान कार्तिकेय युद्ध के देवता और देवसेना के सेनापति कहे जाते हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से जीवन में मजबूती और आत्मबल प्राप्त होता है। दक्षिण भारत में इसे स्कंद षष्ठी के रूप में छह दिनों तक मनाने की परंपरा है, लेकिन उत्तर भारत में एक ही दिन की पूजा होती है और इसे विशेष उपवास का महत्व दिया जाता है।

स्कंद षष्ठी पर क्या करें?

- ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें
- भगवान शिव,माता पार्वती, गणेश और कार्तिकेय भगवान की पूजा करें
- लाल/पीले फूल, फल, धूप-दीप अर्पित करें
- उपवास करें
- फलाहार या निर्जला व्रत रखा जाता है
- दिनभर "ॐ स्कन्द कुमाराय नम :" मंत्र का जाप करें
- घर के मंदिर में घी का दीपक जलाएं
- गरीबों को भोजन या फल दान करें।

क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगाना चाहिए?

वास्तु शास्त्र में घर में पेड़-पौधे लगाने का विशेष महत्व माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि घर में इन्हें लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर-परिवार के सभी सदस्यों का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। पेड़-पौधों को देवी-देवता का स्वरूप माना गया है। इसलिए इसे कई लोग दिन के हिसाब से सही स्थान और दिशा में लगाते हैं। ताकि व्यक्ति को कभी भी किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। अब ऐसे में सवाल है कि क्या घर के सामने पपीता का पेड़ लगा सकते हैं। आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

घर के आंगन में न लगाएं पपीता का पेड

अगर आप घर के आंगन में पपीता का पेड़ लगा रहे हैं, तो यह अशुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि आंगन में इस पेड़ को लगाने से घर में हमेशा आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और घर-परिवार में कभी भी सुख-शांति नहीं रहती है। साथ ही घर में हमेशा कलह-क्लेश की स्थिति बनी रहती है। इसलिए घर के आंगन में भी पपीता का पेड़ न लगाएं।

पपीता का पेड़ कभी भी घर के सामने न लगाएं

वास्तु शास्त्र में पपीता का पेड़ कभी भी घर के सामने नहीं लगाना चाहिए। अगर ये पेड़ अपने आप भी उग जाए, तो शुरुआत में इसे खोदकर दूसरे स्थान पर लगा देना चाहिए। इसके अलावा अगर अगर पपीता का पेड़ बड़ा हो गया है, तो फल जब आने बंद हो जाएं, तो पपीता के पेड़ को काटने के बजाए, इसके तने में छेद करके हींग भर देना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि पपीता का पेड़ घर के सामने लगाने से व्यक्ति को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है और घर-परिवार में सुख-शांति की कमी आने लग जाती है। इसलिए घर के सामने पपीता का पेड़ लगाने से बचें। आपको बता दें, अगर आप पीपता के पेड़ के तने में हींग लगाने से घर में आने वाले सभी संकटों से छुटकारा मिल जाता है।

हेल्दी रहने के 3 सिंपल तरीके

अगर आपको हेल्दी रहना हो तो कौन से वो 3 काम किये जा सकते हैं। जो शरीर के जरूरी न्यूट्रिशन की पूर्ति करने के साथ ही बीमारियों को दूर रखने में मदद करेंगे। ऐसे ही किसी सवाल का जवाब इंस्टाग्राम पर न्यूट्रिशनिस्ट अंजली मुखर्जी ने दिया है। अगर आप सिंपल तरीके से रुटीन को फॉलो करते हुए हेल्दी रहना चाहते हैं तो बस रोजाना इन कामों को जरूर करें।

प्रोटीन खाएं

दिन के हर मील में प्रोटीन की मात्रा जरूर होनी चाहिए। ये आपकी इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करती है। साथ ही शरीर से टॉक्सिंस को भी बाहर निकालता है। हाई प्रोटीन डाइट हाई बीपी, ब्लड शुगर और हार्ट से जुड़ी बीमारियों को हील करने में मदद करता है और नाखून से लेकर बालों की हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है।

रोजाना एक घंटे की वॉक

अगर आपको हेल्दी रहना है तो रोजाना एक घंटे की वॉक जरूर करें। ये ना केवल आपके ज्वाइंट्स को लचीला बनाकर रखेगी बल्कि डाइजेशन को भी सही रखने में मदद करेगी। इसके साथ ही मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने और वजन को कंट्रोल करके रखने में मदद करती है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

दिनभर में इतना पानी पिएं कि शरीर पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहे। पानी पीने से शरीर के टॉक्सिंस आसानी से निकलते हैं, कब्ज नहीं होती और साथ ही बॉडी के फंक्शन आसानी से पूरे होते हैं। साथ ही स्किन का टेक्सचर भी इंप्रूव होता है।

स्किन पर स्क्रब का इस्तेमाल करते समय ध्यान देने की जरूरत

सेंसिटिव स्किन पर न लगाएं स्क्रब

ऑरेंज पील स्क्रब में साइट्रस एसिड ज्यादा होता है। इसी वजह से हमारी स्किन पर रेडनेस और जलन होनी शुरू हो जाती है। इसलिए स्क्रब का इस्तेमाल हर स्किन टाइप पर नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे चेहरे पर अलग-अलग तरह की परेशानी हो सकती है, जिसकी वजह से आपको डॉक्टर के पास भी जाना पड़ सकता है। इससे बेहतर है कि आप इसके पैक का इस्तेमाल करें।

स्किन को ड्राई करता है स्क्रब

ऑरेंज पील स्क्रब का ज्यादा इस्तेमाल करने से आपकी स्किन ड्राई हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके इस्तेमाल से त्वचा में मौजूद ऑयल कम हो जाता है। इसकी वजह से त्वचा में सफेद दाग और निशान दिखाई देते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन पर ऐसे स्क्रब का इस्तेमाल करें, जिसे लगाने से ड्राईनेस न हो साथ ही, आपकी स्किन साफ हो सके। संतरे में साइट्रस एसिड ज्यादा होता है। ऐसे में स्किन पर मौजूद दाने दिक्कत कर सकते हैं। साथ ही, इनकी वजह से पिगमेंटेशन की प्रॉब्लम भी ज्यादा हो सकती है।

ऑरेंज पील

आजकल हर कोई अपने चेहरे पर लगाते हुए नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि सर्दियों में सबसे ज्यादा बाजार में संतरा देखने को मिलता है। इसलिए हर कोई ऑनलाइन इसका तरीका देखकर इसे चेहरे पर लगाते हैं। ऐसे ही कई सारे लोग होते हैं जो चेहरे पर स्क्रब का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन संतरे के छिलकों से बने स्क्रब से आपकी स्किन पर प्रॉब्लम भी हो सकती हैं। इसकी जानकारी हमारे साथ डॉक्टर आंचल ने शेयर की जिसमें उन्होंने बताया कि पील का स्क्रब किस तरह से स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

अगर आप इसे दिन में लगाकर बाहर जाते हैं तो इससे स्किन और ज्यादा डार्क नजर आती है। इसलिए जरूरी है कि आप स्क्रब की जगह पर टोनर या फेस मास्क का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन को नुकसान नहीं होगा। एक्सपर्ट की सलाह के साथ आप अगर संतरे के छिलके का इस्तेमाल करेंगी या स्क्रब बनाकर लगाएंगी, तो जरूरी जानकारी जान लें। ऐसा इसलिए ताकि आपकी स्किन पर किसी तरह की कोई प्रॉब्लम न हो।

शादी के मौके पर अपने नाखूनों को देना चाहती हैं ब्यूटीफुल लुक

फ्लोरल डिजाइन नेल आर्ट

फ्लोरल डिजाइन के आउटफिट जहां इन दिनों ट्रेंड में है तो, वहीं इस तरह के नेल आर्ट डिजाइंस भी महिलाएं काफी पसंद करते हैं। अगर आप भी फ्लोरल डिजाइन में कुछ चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन अपने अपने नेल्स पर बनवा सकती हैं। डार्क कलर के आउटफिट में और भी खूबसूरत नजर आने के लिए आप इस तरह का फ्लोरल डिजाइन वाला नेल आर्ट बनवा सकती हैं।

ग्लिटर डिजाइन नेल आर्ट

अगर आप लाइट का कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन बनवा सकती हैं। इस नेल आर्ट को बनवाने के बाद आपका नाखून काफी खूबसूरत नजर आएंगे। ग्लिटर डिजाइन में आप इस तरह नेल आर्ट भी अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

स्टोन वर्क नेल आर्ट

एम्ब्रॉयडरी, स्टोन वर्क या एम्बेलिश्ड वर्क वाले आउटफिट के साथ आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन बनवा सकती हैं। इन नेल आर्ट को बनवाने के बाद आपके नाखून बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगे। स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह का नेल आर्ट भी नाखूनों पर बनवा सकती हैं और उस नेल आर्ट को बनवाने के बाद आपका नाखूनों का लुक बेहद ही अट्रैक्टिव नजर आएगा।

हर महिला चाहती हैं कि उसके नाखून खूबसूरत नजर आए और अगर आपके घर में शादी में है तो, इनका भी खूबसूरत नजर आना काफी जरूरी है। दरअसल, शादी जैसे मौके पर महिलाएं चाहती हैं कि वो खूबसूरत नजर आए और आपकी खूबसूरती बढ़ाने का काम आपके नाखून भी करते हैं। इसी वजह से महिलाएं इस खास मौके पर नाखूनों पर नेल आर्ट करवाती हैं। वहीं अगर आप अपने नाखूनों को ब्यूटीफुल लुक देना चाहती हैं तो आप इस आर्टिकल में दिखाए गए नेल आर्ट के खूबसूरत डिजाइंस अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह के नेल आर्ट आपको ब्यूटीफुल लुक देने का काम करेंगे।

वायरस से लड़ने की ताकत देती हैं खाने की ये चीजें

भारत में HMPV वायरस ने दस्तक दे दी है, जिसका तीसरा केस अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे में मिला। इससे पहले भी 3 महीने की बच्ची और 8 महीने का बच्चा इस वायरस से संक्रमित पाया गया। भारत में इस वायरस से संक्रमण के मामले मिलने के बाद राज्य सरकार एक्शन में हैं और सभी को अलर्ट रहने की सलाह दी है। वैसे तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि कुछ सावधानियां बरतकर आप खुद को वायरस की चपेट में आने से बचा सकते हैं।

1) इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए अलग तरह के फल, सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट को खाने में शामिल करें। विटामिन ए, सी, डी और ई के साथ-साथ जिंक और सेलेनियम से भरपूर खाने की चीजों पर ज्यादा ध्यान दें।

2) इसके अलावा खट्टे फल जैसे संतरे, अंगूर, नींबू विटामिन सी से भरपूर होते हैं। ये इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाने जाते हैं।

3) पालक, केल और ब्रोकोली विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती हैं जो इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं।

4) हेल्दी आंत को बढ़ावा देने के लिए अपने खाने में दही, साउरक्रोट या किमची को शामिल करें। अगर आंत हेल्दी रहेंगी तो आपका इम्यून सिस्टम भी स्ट्रॉन्ग रहेगा।

5) शरीर से टॉक्सिन को को बाहर निकालने और बेहतर ढंग से काम करने में मदद करने के लिए दिन भर में खूब पानी पिएं।

6) ग्रीन टी, कैमोमाइल या अदरक चाय जैसी हर्बल चाय इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

7) बादाम भी अपने रूटीन में शामिल करें। ये विटामिन ई से भरपूर होते हैं जो इम्यूनिटी में सुधार कर सकते हैं।

8) लहसुन भी डायट में शामिल करें। इसमें एलिसिन होता है,ये एक यौगिक है जो वायरल संक्रमण से लड़ने में मदद कर सकता है।

रात में इलायची वाला दूध पीने का फायदा

इलायची को यूं ही मसालों की रानी नहीं कहा जाता। अपनी बेहतरीन खुशबू और फ्लेवर के साथ-साथ ये सेहत के लिए भी बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होती है। आमतौर पर लोग इसे चाय में डालकर या माउथ फ्रेशनर की तरह इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसका दोगुना फायदा पाने के लिए आप रोजाना रात में सोने से पहले इलायची वाले दूध का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको दूध उबालते हुए उसमें दो से तीन इलायची कूटकर डाल देनी हैं। थोड़ी देर चलाते हुए इस दूध को पकाएं और हल्का गुनगुना होने पर पी लें। रोजाना इस इलायची वाले टेस्टी दूध को पीने के बड़े ही कमाल के फायदे होते हैं।

खराब खानपान के चलते आजकल पाचन से जुड़ी कोई ना कोई समस्या तो आमतौर पर सभी को बनी ही रहती है। ऐसे में आपका पेट बिल्कुल ठीक रहे इसके लिए आप इलायची वाले दूध को अपनी डेली डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी, गैस, बदहजमी, पेट अच्छे से ना साफ होना या पेट फूलने जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, तो इलायची का दूध आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। लाइफस्टाइल में बड़े बदलाव के चलते ब्लड प्रेशर की समस्या भी आजकल काफी कॉमन हो गई है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल ना रहने पर शरीर में कई अन्य बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में सही खानपान और डॉक्टर द्वारा दी गई दवाइयों के अलावा आप इलायची वाला दूध भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। रोज रात में सोने से पहले इलायची वाला दूध पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने में काफी मदद मिलती है। कैल्शियम से भरपूर दूध हमारी बोन हेल्थ के लिए कितना फायदेमंद है, ये तो हम सभी जानते हैं। लेकिन जब आप दूध के साथ इलायची भी शामिल कर लेते हैं, तो ये और भी ज्यादा असरदार हो जाता है।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए करें योगासन

सर्दियों के मौसम में हमारा शरीर ठंडा पड़ने लगता है। इसके कारण हर वक्त ऊर्जा की कमी और सुस्ती छाई रहती है। ठंड की वजह से कामकाज भी प्रभावित होता है। ऐसे में कुछ विशेष योगासन शरीर में गर्मी पैदा करने में मदद कर सकते हैं। ये योगासन न सिर्फ शरीर को गर्म रखते हैं बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। आइए जानते हैं इस बारे में योगा एक्सपर्ट से

हस्त उत्तानासन कैसे करें?

प्रणामासन की स्थिति में खड़े हो जाएं। शरीर को रिलैक्स करें। धीरे-धीरे अपने हाथों को ऊपर की ओर बढ़ाते हुए सिर के ऊपर जोड़कर रखें। अपने सिर,गर्दन और पीठ को पीछे की तरफ कर्व बनाएं। हाथों को ऊपर की ओर उठाते हुए ऊपरी शरीर को पीछे की मोड़ें। इससे शरीर में खिंचाव महसूस होगा। अपनी आंखों को आसमान की तरफ फोकस रखें। इस मुद्रा में 20 सेकंड तक रहें फिर वापस आ जाएं। ऐसा कम से कम 8 बार दोहराएं।

फायदे

इस आसन को करने से शरीर को गर्म रखने में मदद मिलती है, दरअसल जब आप इस आसन को करते हैं तो इससे रक्त संचार बढ़ता है, ऊर्जा का संचार बढ़ता है ,इससे शरीर में गर्मी बढ़ती है। इसके अलावा इससे शरीर में लचीलापन आता है और मानसिक शांति भी मिलती है।

एमएमसी जोन की ओर से प्रेस रिलीज जारी की गई, 15 फरवरी तक अभियान धीमा करने की मांग रखी

नक्सली सरेंडर करने तैयार, समय मांगा, आईजी बोले...वेलकम पर ऑपरेशन रहेगा जारी, नहीं मिलेगी छूट

इधर छग में मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने डेडलाइन तय

राजनांदगांव। नक्सलियों का गढ़ माना जाने वाले एमएमसी (मप्र, महाराष्ट्र और छग कमेटी) जोन को लेकर बड़ी खबर सामने आई, जहां नक्सलियों ने प्रेस रिलीज जारी कर सरेंडर करने की बात कर रहे हैं। वहीं उन्होंने फरवरी 2026 तक का समय मांगा है। सबसे बड़ी बात नक्सलियों ने तब तक राज्य सरकार से नक्सल अभियान को रोकने की मांग की है। लेकिन उसे लेकर स्पष्ट रूख ये दिख रहा है कि अभियान जारी रहेगा। इस लेकर राजनांदगांव आईजी अभिषेक शांडिल्य से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि नक्सली सरेंडर करना चाहते हैं तो वेलकम हैं, लेकिन अभियान रोकने का सवाल ही नहीं उठता। मार्च 2026 तक वैसे भी नक्सल मुक्त करने का अभियान चल रहा है। एमएमसी जोन की ओर से प्रवक्ता अनंत ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि वे 15 फरवरी तक का समय उन्हें दिया जाए। ताकि वे पूरी प्रक्रिया को अपना सके। इसके बाद सरेंडर करने की तारीख भी वह आने समय भी स्पष्ट कर देंगे। तब तक यानी फरवरी तक नक्सल ऑपरेशन को धीमा करने की मांग की गई है। इसके अलावा सरेंडर की बात साथियों तक पहुंचाने में समय लगेगा, इस कारण वे समय चाह रहे हैं। इसके अलावा नक्सलियों ने पीएलजीए सप्ताह के दौरान भी कोई कार्रवाई नहीं करने का अनुरोध किया है। साथ में यह भी कहा कि वे सप्ताह नहीं मनाएंगे। इसके अलावा नक्सलियों ने जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों से मिलने का अवसर दिए जाने की बात कही है। ताकि हथियार त्यागने की तारीखों का एलान भी जल्द किया जा सके और साथियों से संपर्क साध सके।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के दौरान गणना पत्रक भरने के संबंध में दिशा निर्देश

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जारी है। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं के बीच यह गलत जानकारी प्रसारित की जा रही है कि गणना पत्रक केवल विशेष रंग की स्याही या पेन से ही भरे जाने पर स्वीकार किए जाएंगे। इस भ्रामक सूचना के कारण मतदाताओं में अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि गणना पत्रक भरने के लिए किसी भी विशेष रंग की स्याही या पेन का उपयोग अनिवार्य नहीं है। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। सभी BLOs एवं BLO Supervisors को आयोग के वास्तविक दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि पुनरीक्षण कार्य सही जानकारी, पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपादित किया जाए। निर्वाचन कार्यालय ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें ।

शांति नगर वार्ड 14 में 96 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 में अधोसंरचना विकास को लेकर बड़ी पहल की गई है। वार्ड में 96 लाख रुपये की लागत से होने वाले डामरीकरण (सड़क निर्माण) कार्य का विधिवत भूमिपूजन मंगलवार को वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन एवं भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल के कर कमलों द्वारा किया गया। यह सड़क निर्माण परियोजना वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग रही है, जिसका आज साकार रूप दिया गया। डामरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद वार्डवासियों को सुगम, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक रिकेश सेन ने कहा कि– यह परियोजना शांति नगर वार्ड के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़कें बेहतर होंगी तो नागरिकों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी और विकास की गति तेज होगी। वहीं महापौर नीरज पाल ने निगम प्रशासन की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा– ÷भिलाई नगर निगम हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समयबद्ध पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद अभिषेक मिश्रा, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे सहित बड़ी संख्या में वार्ड के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए विधायक एवं महापौर का आभार व्यक्त किया। डामरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ प्राप्त होगा, जिससे आवागमन सरल होगा और व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी।

मप्र फोर्स लौटी, नांदगांव पुलिस के 3 सौ जवानों ने खंगाला जंगल, सामान बरामद, 3 नक्सली भी घायल

कनघुर्रा जंगल में 19 नवंबर को हुई थी नक्सली मुठभेड़, सफलता मिली, पुलिस अधिकारियों ने कहा जारी रहेगा अभियान, करेंगे सर्चिंग तेज

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ कनघुर्रा के जंगल में पिछले दिनों हुई मुठभेड़ में हॉक इंस्पैक्टर आशीष शर्मा के शहीद होने की घटना के बाद राजनांदगांव पुलिस ने ऑपरेशन तेज किया। उसका असर भी देखने को मिला और मुठभेड़ एरिया में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के दैनिक उपयोग की चीजें, नक्सली दस्तावेज जैसे सामान बरामद हुए हैं। वहीं पुलिस अधिकारियों ने फायरिंग के दौरान तीन नक्सलियों के गंभीर रूप से घायल होने की भी बात कही है, साक्ष्य के रूप में मौके पर खून के धब्बे भी मिले। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के बाद इस ऑपरेशन को लीड कर रही मप्र की फोर्स लौटी और पूरी कमान राजनांदगांव पुलिस ने ली। 300 अतिरिक्त बल जंगल में रवाना किया, जिसके बाद यह रिकवरी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 19 नवंबर को देर रात मप्र की टीम ने डोंगरगढ़ कनघुर्रा जंगल में नक्सलियों का लोकेशन ट्रेस किया। इसके बाद छग, मप्र और महाराष्ट्र की टीम ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया। पार्टी जैसे ही घने जंगलों के बीच पहुंची थी, उसी वक्त दर्रेकसा दलम के सदस्यों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें हॉक इंस्पैक्टर आशीष शर्मा शहीद हो गए। राजनांदगांव पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद राजनांदगांव पुलिस ने मोर्चा संभाला और अतिरिक्त बल जंगल में भेजा गया। घने जंगलों में तेज सर्चिंग की। इसके बाद मौके से बरामदगी की गई।

पुलिस को जंगल से ये सामान मिले

ज नक्सलियों के वर्दी, पिट्ठू बैग, लिखे हुए दस्तावेज एवं डायरियां, वर्दियां, सोलर पैनल एवं चार्जिंग सेट्स, खाना बनाने के बर्तन, टेंट, तिरपाल , वॉकी-टॉकी सेट, विस्फोटक सामग्री, राशन समान बरामद किए गए हैं।

घायल होने का क्लू पुलिस को ऐसे मिला

कनघुर्रा के जंगल में खून के धब्बे में पुलिस फोर्स को मिले, जिससे स्पष्ट हुआ कि फायरिंग में नक्सली भी घायल हुए हैं। इसके बाद पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि नक्सली जब जंगल में भाग निकले, इसके बाद वे घायल साथियों के लिए इलाज व डॉक्टर की व्यवस्था करने के लिए प्रयास कर रहे थे, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की मनाही के बाद वे आगे निकल गए।

सुप्रीम कोर्ट निर्देशः संस्थानों में आवारा कुत्तों से सुरक्षा व्यवस्था होगी कड़ी

दुर्ग। नगर पालिक निगममाननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुओ-मोटो रिट पिटीशन (सिविल) के तहत दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु आज नगर पालिक निगम दुर्ग में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने और नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। जैसे भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थलों में फेंसिंग, बाउंड्री वॉल, गेट, सीसीटीवी कैमरा एवं सुरक्षा कर्मियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जा सके। निगम अधिकारियों ने कहा कि परिसर में स्वच्छता एवं रख-रखाव की मजबूत व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि कुत्तों को भोजन या ठहरने का कोई कारण न मिले। प्रत्येक संस्थान में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो निम्न कार्यों के लिए पूरी तरह उत्तरदायी रहेगा। निर्देश हुए हैं कि नियुक्त नोडल अधिकारी का नाम मोबाइल नंबर निदान हेल्पलाइन 1100 संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार के निकट प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए, जिससे किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत निगम तक पहुंच सके। निर्देशों के पालन हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग ने शहर के सभी चिन्हांकित संस्थानों को आधिकारिक पत्र जारी कर कार्यवाही शुरू कर दी है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि स्वच्छता एवं सुरक्षा मानकों के पालन में लापरवाही करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम का यह कदम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, मरीजों, खिलाड़ियों एवं दैनिक यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना और दिक्कतों को रोका जा सके। नागरिक स्वच्छता एवं जनहित में सहयोग करें, कुत्तों को सड़क व सार्वजनिक परिसरों में भोजन न कराएं।

कलेक्टर सिंह ने की एफआईआर की प्रगति की समीक्षा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य तेज करने के दिए निर्देश

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य तेज गति से जारी है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं तथा प्राप्त भरे हुए प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेकर विधानसभा क्षेत्रों–64 दुर्ग शहर, 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर– में डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा की। विधानसभा 64 दुर्ग शहर की समीक्षा बैठक नगर पालिक निगम दुर्ग के सभाकक्ष में तथा 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर की बैठक नगर पालिक निगम भिलाई कार्यालय में आयोजित की गई। बैठकों में संबंधित क्षेत्रों के नगर पालिक निगम आयुक्त, अतिरिक्त

जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सभी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कम डिजिटाइजेशन प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हांकित कर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को आगामी 3-4 दिनों में डिजिटाइजेशन प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा को ध्यान रखते हुए सभी गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी जारी किए। जिला प्रशासन द्वारा स्ट्रक्र 2026 को सफलतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी और समीक्षा की जा रही है।

एसआरआईपी में 'नैनोमेडिसिन फॉर प्रिसीजन थेरेपी' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन संम्पन्न

कुम्हारी। श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफफार्मेसी में ANRF द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन 21-22 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान के निदेशक एवं प्राचार्य प्रो. एस. प्रकाश राव ने किया, जो इस संगोष्ठी के आयोजन सचिव भी रहे, जबकि डॉ. तिलोतमा साहू ने संयोजक एवं आस्था वर्मा ने सह-संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ए एन आर एफ द्वारा प्रायोजित इस प्रतिष्ठित शैक्षणिक कार्यक्रम को एस आर आई पी तक लाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. तिलोतमा साहू को विशेष धन्यवाद प्रदान किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एस. दहरवाल, निदेशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ार्मेसी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने आधुनिक फार्माकोलॉजी में नैनो टेक्नोलॉजी की परिवर्तनीय क्षमता और लक्षित उपचार विकसित करने में इसकी बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम

में कई ज्ञानवर्धक तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहला सत्र प्रो. शेखर वर्मा, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में नैनो कणों द्वारा दवा की घुलनशीलता, जैवउपलब्धता और लक्षित डिलीवरी में होने वाले सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई। दूसरे सत्र में डॉ. बीना गिडवानी ने नैनो टेक्नोलॉजी द्वारा प्रिसीजन मेडिसिन को कैसे नई दिशा मिल रही है और किस प्रकार आनुवंशिक एवं आणविक प्रोफ़ाइल के आधार पर व्यक्तिगत उपचार संभव हो रहा है, इस पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके बाद डॉ. अजाजुद्दीन, रजिस्ट्रार एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (आर एंड डी), रुंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भिलाई ने विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने इनके माध्यम से दवाओं की स्थिरता, फार्माकोकाइनेटिक्स और लक्षित डिलीवरी में होने वाले लाभों को रेखांकित किया। संगोष्ठी का अंतिम सत्र डॉ. मंवेन्द्र सिंह करछुली, सीनियर मैनेजर, प्रीक्लिनिकल एवं टॉक्सि कोलॉजी, बैक्सटर (अहमदाबाद) द्वारा लिया गया। उन्होंने नैनोमेडिसिन की विषाक्तता मूल्यांकन पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षा परीक्षण की अनिवार्यता एवं क्लिनिकल अनुप्रयोग में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

जामगांव आर में बनेगा 'महतारी सदन', जिला पंचायत सीजी पीएससी 2025 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार बने योगेंद्र निर्मल

सभापति कल्पना नारद साहू ने किया भूमिपूजन

जामगांव आर। दक्षिण पाटन क्षेत्र के प्रमुख ग्राम जामगांव आर में महतारी सदन का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण कार्य का भूमिपूजन 21 नवंबर 2025 को जिला पंचायत दुर्ग की सभापति कल्पना नारद साहू द्वारा विधि-विधान के साथ किया गया। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को समर्पित यह सामुदायिक भवन 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सभापति कल्पना नारद साहू ने कहा कि महतारी सदन का निर्माण माताओं और बहनों के लिए सुरक्षित, सशक्त और बहुउद्देशीय सामुदायिक मंच उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह भवन महिलाओं की तरक्की और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बनेगा और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे केंद्र विकसित होने से महिलाओं को प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कायक्रम तथा समूह गतिविधियों के संचालन में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से– रामकुमार चंद्राकर, सदस्य जनपद पंचायत पाट, नारद साहू, अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा दक्षिण पाटन रूपेंद्र शुक्ला, सरपंच जामगांव आर मुकेश साहू, उपसरपंच, शैलींद्री मंडावी, मंत्री जिला भाजपा दुर्ग, के. एल. साहू, कन्हैयालाल साहू, धर्मेंद्र निर्मल, पुनेन्द्र सिन्हा, सीताराम साहू, नरेश केला, भगवान चंद्राकर, पंकज, गनेश्वर साहू, नंदनी साहू, दामिन साहू, पंडित मुकेश शुक्ल, मेघनाथ सागरवंशी, संतोष, मनहरण, शरद, संतु यादव, तीरथ चंद्राकर सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने महतारी सदन के निर्माण को महिलाओं के हित में उठाया गया सराहनीय निर्णय बताया।

गांव पहुंचने पर पूर्व जिपं.उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद सदस्य दिनेश साहू, सरपंच भगवती मुकेश साहू व ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत

पाटन। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भनसुली (के) निवासी योगेंद्र निर्मल पिता वासुदेव निर्मल ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद हासिल किया है। छोटे से गांव में पले-बढ़े योगेंद्र प्रारंभ से ही मेधावी रहे हैं। किसान परिवार से आने वाले योगेंद्र पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी सदैव सक्रिय रहे हैं। उनका परिवार गायत्री परिवार से जुड़कर आध्यात्मिक जनजागरण के क्षेत्र में भी कार्यरत है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने 2019 से CGPSC की तैयारी प्रारंभ की और रायपुर स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी में नियमित अध्ययन किया। यह उनका पांचवां प्रयास था। इससे पूर्व पिछले वर्ष 114वीं रैंक के साथ सहकारिता निरीक्षक पद पर चयनित होकर

सफलता हासिल की थी। गांव में हुआ भव्य स्वागत-ग्राम आगमन पर ग्रामीणों द्वारा ढोल-ढमाकों और बैंड-बाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया तथा पूरे गांव में सम्मानपूर्ण जुलूस निकाला गया। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने बधाई देते हुए कहा–पाटन विधानसभा क्षेत्र के हमारे गौरव, योगेंद्र निर्मल को CGPSC 2024 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। आपकी उपलब्धि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणा है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। जनपद सदस्य दिनेश साहू और सरपंच भगवती मुकेश साहू ने इसे ग्राम के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए अनंत शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित-टुकेश निर्मल (सोसायटी अध्यक्ष), गैंदलाल डहरिया (पूर्व जप), डॉ. के.के. साहू, नीलमनी साहू, रामनारायण साहू (परिक्षेत्र अध्यक्ष), पद्मभूषण साहू (उपसरपंच), विनोद साहू (सचिव), अजय निर्मल, दानीराम तारक, महेश साहू, देवेंद्र साहू, भूषण मंडल, मानसिंह मंडल, केके साहू बल्लू, अनिल साहू (शिक्षक), पिंकेश साहू, दिनेश साहू, मंथीर साहू, राकेश साहू, महेंद्र हिरवानी, मुकेश साहू, पिंकेश सेन, महेश साहू, सुंदर साहू, जनार्दन सेन, जगदीश देवांगन, प्रीतम निर्मल, कुंदन निर्मल, तोषण तारक सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com